



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43]
NO. 43]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 23, 1993/ कार्तिक 1, 1915
NEW DELHI SATURDAY, OCTOBER 23, 1993/KARTIKA 1, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notification issued by the Ministry of the Government of (India other than
Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)
(न्यायिक खण्ड)

सूचना

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1993

का.आ. 2198.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के
अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है
कि श्री एस.वी. टारटे, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को
उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात
के लिए दिया है कि उसे डोमबिवली (महाराष्ट्र) में व्यव-
साय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी
प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के
भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(86)/93-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)
(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 17th September, 1993

S.O. 2198.—Notice is hereby given by the Competent
Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956
that application has been made to the said Authority, under
Rule 4 of the said Rules, by Shri S. V. Tarte, Advocate for
appointment as a Notary to practise in Dombivli (Maharash-
tra).

2. Any objection to the appointment of the said person as
a Notary may be submitted in writing to the undersigned
within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(86)/93-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1993

का.आ. 2199.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री (डा.) ले. कर्नल (रिटायर्ड) एच. के. शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(87)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 17th September, 1993

S.O. 2199.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri (Dr.) Lt. Col. (Retd.) H. K. Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Gwalior (Madhya Pradesh).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(87)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1993

का.आ. 2200.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मोरेश्वर प्रसाद, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली संघ क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(88)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 17th September, 1993

S.O. 2200.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Moreswar Prasad, Advocate for appointment as a Notary to practise in Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(88)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1993

का.आ. 2201.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री देव इन्द्र चौधरी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली संघ क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(96)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 27th September, 1993

S.O. 2201.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Deo Inder Chowdhary, Advocate for appointment as a Notary to practise in Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(96)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1993

का.आ. 2202.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सी.एल. शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया गया कि उसे बृहद बम्बई (महाराष्ट्र राज्य) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(252)/92-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 27th September, 1993

S.O. 2202.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri C. L. Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Greater Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(252)/92-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1993

का.आ. 2203.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमति एस.एस. कोटस्थाने, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पिम्परी, छिन्दवाड़ा (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(90)/93 (न्यायिक)]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 20th September, 1993

S.O. 2203.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. S. S. Kotasthan, Advocate for appointment as a Notary to practise in Pimpri, Chhindwad Area (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(90)/93-JudL.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1993

का.आ. 2204.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमति बुलुदाम, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे उत्तरपाड़ा, जिना हुगली (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(92)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 20th September, 1993

S.O. 2204.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Bulu Das, Advocate for appointment as a Notary to practise in Uttarpara, District Hooghly (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(92)/93-JudL.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1993

का.आ. 2205.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री राम प्रकाश, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पटियाणा हाऊस, नई दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(91)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 20th September, 1993

S.O. 2205.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ram Prakash, Advocate for appointment as a Notary to practise in Patiala House, New Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(91)/93-JudL.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1993

का.आ. 2206.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री ओम शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे हापुड़, जिला गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(89)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 20th September, 1993

S.O. 2206.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Om Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Hapur, District Ghaziabad (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(89)/93-JudL.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1993

का.आ. 2207.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एम. अब्दुल मुवहान, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कुम्बाकानम, तंजावुर जिला (तामिलनाडू) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(94)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 24th September, 1993

S.O. 2207.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri M. Abdul Subahan, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kumbakonam, District Thanjavur (Tamil Nadu).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(94)/93-JudL.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1993

का.आ. 2208.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री चन्द्रगुप्त शर्मा एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बयाना सब डिविजन, जिला भरतपुर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(93)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 24th September, 1993

S.O. 2208.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Chander Gupta Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bayana Sub-Division, District Bharatpur (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(93)/93-JudL.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1993

का.आ. 2209.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री महेंद्र कुमार शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जलेबी चौक, जयपुर, (राजस्थान राज्य) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(95)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 24th September, 1993

S.O. 2209.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Mahendra Kumar Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jalebi Chowk, Jaipur (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(95)/93-JudL.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

का.आ. 2210.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रविन्द्र नाथ घोष, एडवोकेट, ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे चन्दनगर, जिला हुगली (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(100)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 30th September, 1993

S.O. 2210.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Rabindra Nath Ghosh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Chandernagar, District Hooghly (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(100)/93-JudL.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

का.आ. 2211.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री (डा.) यू.के. आध्या, एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे माऊस बम्बई (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(98)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 30th September, 1993

S.O. 2211.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sri (Dr.) U. K. Jadhav, Advocate for appointment as a Notary to practise in South Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(98)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

का.आ. 2212.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री महादेव प्रसाद शर्मा, एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे फैजाबाद में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[5(97)/93-न्य. वि.क.]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 30th September, 1993

S.O. 2212.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Mahadev Prasad Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Faizabad (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(97)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

का.आ. 2213.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आश प्रकाश बागला, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे श्री गंगनगर, राजस्थान में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(99)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 30th September, 1993

S.O. 2213.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Om Prakash Bagla, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sriganaganagar (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. I. 5(99)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन संचालन

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1993

का.आ. 2214.—प्रातःकवादी एवं विघटनकारी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के अन्तर्गत श्री रमन अग्रवाल, अधिवक्ता, पुणे को मामला आरती 5 एस 7(एस)/92/एसआईए-3/एस आई सी-2 /सीबीआई/ एनपीई/ नई दिल्ली और उसके अतिरिक्त अथवा उनके साथ घटित अन्य मामलों की गठित नाभित न्यायालय, पुणे में संचालित करने के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/7/93/एबीडी-II]

भारत के राष्ट्रपति के आदेश द्वारा,
बी. लक्ष्मी रत्न, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, P. G. AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 8th October, 1993

S.O. 2214.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (Act No. 28)

1987) the Central Government hereby appoints Shri Raman Aggarwal, Advocate, Pune as Special Public Prosecutor for conducting case RC. 5 & 7/S/92-SIU. V/SIC.II[CBI/SPE] New Delhi and any other matter connected therewith or incidental thereto, in the Designated Court at Pune constituted under the provisions of Section 9 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987.

[No. 225/7/93/AVD.II]

By Order and in the name
of the President of India,
V. LAKSHMI RATAN, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1993

का. आ. 2215—आतंकवादी एवं विघटनकारी गतिविधियों (निवारक) अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के अंतर्गत श्री एन. एन. अग्रवाल, अधिवक्ता, अजमेर (राजस्थान), को मामला आरती 2(एस)/91 एसआईयू-5/एग आर्दसी-2/सीबीआई/एसपीई/नई दिल्ली और उससे जुड़े अथवा उसके साथ घटित अन्य मामलों की गठित नामित न्यायालय, अजमेर में संचालित करने के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/1/93-एवीडी-II]

भारत के राष्ट्रपति के आदेश द्वारा
वी. लक्ष्मी रतन, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 8th October 1993

S.O. 2215.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (Act No. 28 of 1987) the Central Government hereby appoints Shri S. N. Aggarwal, Advocate, Ajmer (Rajasthan) as Special Public Prosecutor for conducting case RC. 2/S/91-SIU. V/SIC. II[CBI/SPE] New Delhi and any other matter connected therewith or incidental thereto, in the Designated Court at Ajmer constituted under the provisions of Section 9 of Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987.

[No. 225/1/93/AVD.II]

By Order and in the name of
the President of India,
V. LAKSHMI RATAN, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1993

(आयकर)

का. आ. 2216—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री गणपति सच्चिदानंद अवधूत वत्त पीठ ट्रस्ट (रजि.), मैसूर" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित

शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिता इसकी आय का हस्तोक्त अथवा इसकी आय का हस्तोक्त करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिन के लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिता ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ऋण अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जबर-जवाहिरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी एसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भ्रम से लेखा-गुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9346/फा. सं. 197/59/93-आयकर (नि.-1)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 6th August, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2216.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Ganapati Sachchidananda Avadhoota Datta Peetha Trust (R), Mysore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9346/F. No. 197/59/93-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1993

(आयकर)

का. आ. 2217—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा

“जगद्गुरु श्री शंकराचार्य स्वामीगल श्रीमतम समस्थानम, कांचीपुरम, तमिल-नाडु” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भ्रम से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9355/फा. सं. 197/129/93—प्रायकर (नि.—I)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 17th August, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2217.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Jagadguru Sri Sankaracharya Swamigal Srimatam Samsthanam, Kanchipuram, Tamil Nadu” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulative for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9355/F. No. 197/129/93-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1993

(प्रायकर)

का. धा. 2118.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “वि कांग्रिगेशन ऑफ वि फ्रांसिस्कन मिस्टर्स ऑफ वि प्रेन्टेशन ऑफ दि ब्लेसड ब्रजिन मेरी, कोयम्बतूर” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96

तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंधों में लागू नहीं होगी जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भ्रम से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9356/फा. सं. 197/106/93—प्रायकर (नि.—I)]

शरत चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 18th August, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2218.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Congregation of the Franciscan Sisters of the Presentation of the blessed Virgin Mary, Coimbatore” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply in income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9356/F. No. 197/106/93-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.

(प्रायिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1993

का. धा. 2219.—रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम 1985 (1986 का 1) की धारा 6 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री अशीम चटर्जी भारतीय प्रशासनिक सेवा (राजस्थान 1960) वर्तमान सलाहकार योजना आयोग

को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख पांच वर्षों की अवधि के लिए औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 7/14/93-बी.ओ.—1]

एम. एस. गौतमराव, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 6th October, 1993

S.O. 2219.—In pursuance of the powers conferred by sub-section (2) of Section 4 read with sub-section (2) of Section 6 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act 1985 (1 of 1986), the Central Government hereby appoints Shri Ashim Chatterjee, IAS (RJ: 60), presently, Adviser, Planning Commission as a Member of the Board for Industrial and Financial Reconstruction for a period of five years from the date of his taking charge.

[No. 7/14/93-B.O.-I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

जीमा-खंड

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1993

का. आ. 2220.—केन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बीमा नियम बर्ग 3 और बर्ग 4 कर्मचारी (सेवा के नियमों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम 1985 के नियम 13 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निर्धारित करती है कि बर्ग 3 और बर्ग 4 के कर्मचारियों में से प्रत्येक को 1 अप्रैल, 1992 को आरम्भ होने वाली और 31 मार्च 1993 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए बोनस के बर्ले में संदाय उक्त उपनियम में अन्य उपबोधों के अन्तर्गत दत्ते हुए उसके संयम के 15 प्रतिशत की दर पर किया जाएगा।

[फा. सं. 2 (8)/बीमा-3/91]

सुरेश आनन्द, सहायक बीमा नियंत्रक

INSURANCE DIVISION

New Delhi, the 8th October, 1993

S.O. 2220.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 13 of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, the Central Government hereby determine that, subject to the other provisions of the said sub-rule, the payment in lieu of bonus for the period commencing on the 1st day of April, 1992 and ending with the 31st day of March, 1993 to every Class III and Class IV employee shall be at the rate of 15 per cent of his salary.

[F. No. 2(8)/Ins. III/91]

S. ANAND, Asstt. Controller of Insurance

आधिष्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1993

का. आ. 2221.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (व्यापिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बम्बई म्युनिसिपल

कार्पोरेशन को कच्चा मांस (हिमशीत/दुर्गशीत) का निर्यात (व्यापिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1992 में अधिपूचित शर्तों के अधीन दिओनार एबोटर से उत्पन्न कच्चा मांस (हिमशीत/दुर्गशीत) का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए एक प्रतिकरण के रूप में मान्यता देता है।

गवर्णर.—इस अधिसूचना में कच्चा मांस (हिमशीत/दुर्गशीत) के निर्यातित प्रशिक्षित हैं—

(i) शैम,शवा कटर/बछड़े का मांस चार माह से लेकर एक वर्ष तक की आयु के शैम के कटर से प्राप्त मांस के शुद्धीकरण/हिमशीत) द्वारा प्रशिक्षित तथा कीमा मांस और

(ii) भारतीय बकरा तथा भेड़ कच्चा दुर्गशीत/हिमशीत मांस तथा बकरे भेड़ का कीमा मांस और बकरे तथा भेड़ से प्राप्त दुर्गशीत/हिमशीत द्वारा प्रशिक्षित.

2. यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रयुक्त होगी।

[फाईल सं. 6/1/92-ई आई एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बाना, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 4th October, 1993

S.O. 2221.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises the Bombay Municipal Corporation as an agency for inspection of Raw Meat (Chilled/Frozen) originating from Deonar abattoir prior to export subject to the conditions notified in the Export of Raw Meat (Frozen/Chilled) (Quality Control and Inspection) Rules, 1992.

Explanation: In this notification Raw Meat (Chilled/Frozen) means:—

(i) Meat and minced meat processed by chilling/quick freezing obtained from Buffalo, Carcasses, veal/Calf meat obtained from buffalo calves of above four months and upto one year of age; and

(ii) Indian goat and sheep raw chilled/frozen meat and minced meat of goat, sheep and processed by chilling/quick freezing obtained from goat and sheep.

2. This notification shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 6/1/92-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

कोषा मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1993

का. आ. 2222.—कोयला धारक क्षेत्र (गर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकासी गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2301 तारीख 12 अगस्त 1991 के भारत के राजपत्र भाग खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 7 सितम्बर, 1991 से प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि में या पूर्ण भूमि पर के अधिकार (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सही क्रियोगमों से मुक्त होकर आर्थिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि वैरटन कोल-फील्ड्स लिमिटेड, नागपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारी कम्पनी

कहा गया है) ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे अनुपालन करने के लिए रजामंड है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या ऐसी भूमि पर के अधिकार, तारीख 7 सितम्बर, 1991 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाय, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे अर्थात्—

- (1) सरकारी कंपनी उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अवधारित प्रतिकर ब्याज नुकसानी और वैसी ही मदों की बाबत किए गए सभी संवायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी।
- (2) सरकारी कंपनी द्वारा शर्त (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, सरकारी कंपनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों जैसे भूमील आदि को बाबत उपगत सभी व्यय को उक्त सरकारी कंपनी वहन करेगी।
- (3) सरकारी कंपनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी।
- (4) सरकारी कंपनी को, केन्द्रीय सरकार पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी; और
- (5) सरकारी कंपनी ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अब कभी आवश्यक हों, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[सं. 43035/14/87 सी. ए/एल. एस. डब्ल्यू.]

बी. बी. राव, प्रवर सचिव

MINISTRY OF COAL

ORDER

New Delhi, the 28th September, 1993

S.O. 2222.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 2301, dated the 12th August, 1991 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 7th September, 1991 issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1937 (20 of 1937) (hereinafter referred to as the said Act), the lands and rights in or over such lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the Western Coalfields Limited, Nagpur (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

2290 GI/93—2

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the said lands and all rights in or over such lands so vested shall, with effect from the 7th September, 1991, instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the Government company, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (1) the Government company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act;
- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government Company under condition (1), and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government company and similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc. for or in connection with the rights, in or over the said lands, so vesting shall also be borne by the Government company;
- (3) the Government company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said lands so vesting;
- (4) the Government company shall have no power to transfer the said lands to any other person without the previous approval of the Central Government; and
- (5) the Government company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands as and when necessary.

[F. No. 43015/14/87/CA-I.SW]

B. B. RAO, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1993

का. भा. 2223.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1937 (1937 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. भा. 124(अ) तारीख 7 फरवरी, 1990 के, भारत के राजपत्र, प्रकाशन भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 7 फरवरी 1990 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न प्रसूची में वर्णित भूमि में या उस पर के समस्त अधिकार (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम का धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन सभी विलगनों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि वेस्टर्न कोल-फील्ड्स लिमिटेड नागपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारी कंपनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे अनुपालन करने के लिए रजामंड है—

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि और भूमि में या उस पर के समस्त अधिकार तारीख 7 फरवरी, 1990 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाय निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे अर्थात्—

(1) सरकारी कंपनी उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अधि-
कारित प्रतिकर ब्याज, मुक्याती और वसी ही सबों की बाबत
किए गए सभी लेखाओं की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति
करेगी।

(2) सरकारी कंपनी द्वारा शर्त (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को
संबंधी रकमों का अधिधारण करने के प्रयोजन के लिए एक
अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण
और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के
संबंध में उपरत सभी अन्य सरकारी कम्पनी बटल करेगी और
इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के
अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों
जैसे अपील, अपील की बाबत उपगत सभी अन्य भी सरकारी
कंपनी वहन करेगी।

(3) सरकारी कम्पनी केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की,
ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त
भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में केन्द्रीय सरकार
या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों
के संबंध में प्राप्यक हो प्रतिपूर्ति करेगी।

(4) सरकारी कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्ण अनुमोदन के बिना
उक्त भूमि किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति
नहीं होगी; और

(5) सरकारी कंपनी, ऐसे निवेदनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय
सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विभिन्न
क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं पालन
करेगी।

[सं. 43015/25/89—एल. एस. डब्ल्यू]

बी. बी. राव, धरम सचिव

ORDER

New Delhi, the 28th September, 1993

S.O. 2223.—Whereas on the publication of the notification
of the Government of India in the then Ministry of Energy
(Department of Coal) number S.O. 124(E), dated the 7th
February, 1990 in the Gazette of India Extraordinary Part II,
Section 3, Sub-section (ii), dated the 7th February, 1990, issued
under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas

(Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (here-
inafter referred to as the said Act), the lands and all rights
in or over such land described in the Schedule appended to
the said notification (hereinafter referred to as the said lands
vested absolutely in the Central Government free from all
encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said
Act;

And, whereas, the Central Government is satisfied that
the Western Coalfields Limited, Nagpur (hereinafter referred
to as the Government Company) is willing to comply with
such terms and conditions as the Central Government thinks
fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central
Government hereby directs that the said lands and all rights
in or over such land so vested shall, with effect from the
7th February, 1990, instead of continuing to so vest in the
Central Government, vest in the Government company, sub-
ject to the following terms and conditions, namely:—

(1) the Government company shall reimburse the Central
Government all payments made in respect of com-
pensation, interest, damages and the like as deter-
mined under the provisions of the said Act;

(2) a tribunal shall be constituted for the purpose of
determining the amounts payable to the Central
Government by the Government Company under
condition (1) and all expenditure incurred in con-
nection with any such tribunal and persons appointed
to assist the tribunal shall be borne by the Govern-
ment company and similarly, all expenditure in-
curred in respect of all legal proceedings like appeals
etc. for or in connection with the rights in or over
the said lands, so vesting shall also be borne by
the Government Company;

(3) the Government company shall indemnify the Central
Government or its officials against any other ex-
penditure that may be necessary in connection with
any proceedings by or against the Central Govern-
ment or its officials regarding the rights in or over
the said lands so vesting;

(4) the Government company shall have no power to
transfer the said lands to any other persons without
the previous approval of the Central Government;

(5) the Government company shall abide by such direc-
tions and conditions as may be given or imposed
by the Central Government for particular areas of
the said lands as and when necessary.

[No. 43015/25/89-LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली 29 सितम्बर 1993

का० आ० 2224—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे
हमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला
मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1964, तारीख 10 जुलाई, 1992 जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii)
तारीख 25 जुलाई 1992 को प्रकाशित की गई थी के साथ पठित भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख
14 सितम्बर, 1991 में प्रकाशित अधिसूचना सं. का.आ. 2325, तारीख 29 अगस्त, 1991 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न
अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में, जिसका माप 429.70 एकड़ (लगभग) या 173.87 हेक्टर (लगभग) है के अर्जन
करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुकरण के केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है:

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और बिहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात्
यह समाधान हो गया है कि हमने संलग्न अनुसूची वर्णित 429.70 एकड़ (लगभग) या 173.87 हेक्टर (लगभग) माप वाली
भूमि अर्जित किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 429.70 एकड़ (लगभग) या 173.87 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमि अर्जित किए जाते हैं।

इस अधिसूचना के अधीन अपने अपने वाले क्षेत्र के सं० सी राजस्व 45/91 तारीख 25 नवम्बर, 1991 वाले रेखांक का निरीक्षण उपायुक्त, हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में या उपायुक्त, चतरा, (बिहार) के कार्यालय में या कोयला निबंधक 1, काउंसिल स्ट्रुअट्स स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में, या सेन्ट्रल कोनफीडरल लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस, रांची के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

पिपरवार ब्लाक विस्तार

उत्तर कर्मपुरा कोयला क्षेत्र

जिला चतरा और हजारीबाग

ब्लाक "क"

सं० राजस्व 45/91

तारीख 25-11-1991

(अर्जित भूमि को दर्शित हुए)

समस्त अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र एकड़	टिप्पण
1.	कल्याणपुर	तंदवा	85/242	चतरा	66.15	भाग
2.	राजधर	तंदवा	82/239	चतरा	0.65	भाग
3.	बहेरा	तंदवा	79/236	चतरा	103.85	भाग
4.	कारो	केरेदारी	77	हजारीबाग	206.25	भाग
5.	किचटो	केरेदारी	78/235	हजारीबाग	4.40	भाग

कुल क्षेत्र 381.50 एकड़ (लगभग)

या 154.38 हेक्टर (लगभग)

ग्राम कल्याणपुर में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक:—

158 (भाग), 159 (भाग), 184 (भाग), 185 (भाग), 189 (भाग), 190 (भाग), 191 (भाग), 192 (भाग), 193 से 213, 215 (भाग), 292 (भाग) और 296.

ग्राम राजधर में अर्जित किए गए प्लॉट सं०:—205 (भाग).

ग्राम बहेरा में अर्जित किए गए प्लॉट सं०

1 (भाग), 2 से 23, 24 (भाग), 25 (भाग), 36 (भाग), 37 से 70, 71 (भाग), 72, 73, 74, 75, 76 (भाग), 77, 78 (भाग), 79 (भाग), 265 (भाग), 266 (भाग), 271 (भाग), 272 (भाग), 273 274, 275 से 281, 282 (भाग), 283 (भाग), 284 से 288, 289 (भाग), 290 (भाग), 467 (भाग), 468 (भाग), 469 से 477, 478 (भाग), 479 (भाग), 487 (भाग), 489 (भाग), 490 (भाग), 491 (भाग), 492 (भाग), 493 (भाग), 494 (भाग), 495 (भाग), 496 (भाग), 497, 498 (भाग), 499 (भाग), 500 (भाग), 501 (भाग), 502 (भाग), 503, 505 (भाग), 506 (भाग), 507, 508 (भाग), 509 (भाग), 510, 511 (भाग), 518 (भाग), 529 (भाग), 530, 531, 532, 534 (भाग), 540 (भाग), 541 (भाग), 542 (भाग), 653 (भाग), 654 (भाग), 655 (भाग), 656 (भाग), 657, 658, 659, 660, 861 (भाग), 662 (भाग), 670 (भाग), 684 (भाग), 687 (भाग), 688, 689 (भाग), 690 (भाग), 691 (भाग), 692 (भाग), 693, 694 (भाग), 703 (भाग), 704 (भाग), 705, 706 (भाग), 709 (भाग), 710 (भाग), 712 (भाग), 714 (भाग), और 716 (भाग)।

ग्रामकारों में अर्जित किए गए प्लॉट सं० :—

362 (भाग), 363 से 372, 373 (भाग), 374 (भाग), 375 से 379, 380 (भाग), 381 (भाग), 388 (भाग), 389 (भाग), 390 (भाग), 391 से 396, 397 (भाग), 398 (भाग), 401 (भाग), 416 (भाग), 419 (भाग), 421 (भाग), 422 (भाग), 423, 424, 425 (भाग), 426 से 448, 449 (भाग), 450 (भाग), 451 (भाग), 452 (भाग), 453 (भाग), 454 (भाग), 455 से 459, 460 (भाग), 461, 462, 463, 464 (भाग), 467 (भाग) 468 (भाग), 469 (भाग), 470 (भाग), 475 (भाग), 476 (भाग), 546 (भाग), 547 (भाग), 548 (भाग), 549 (भाग), 550 (भाग), 551 (भाग), 552 (भाग), 555 (भाग), 556 (भाग), 557 से 579, 580 (भाग), 581 से 585, 586 (भाग), 587 (भाग), 678 (भाग), 679 से 696, 697 (भाग), 698 (भाग), 699 (भाग) 700, 701 (भाग), 702 (भाग), 704 (भाग) और 713 (भाग) .

ग्राम किचटो में अर्जित किए गए प्लॉट संख्या :—

375, 376 (भाग), 377 (भाग), 378, 379 (भाग), 380 (भाग), 382 (भाग), 383 (भाग), 384 (भाग) और 392 (भाग) ।

सीमा वर्णन :—

- क—ख रेखा प्लॉट संख्यांक 159, 158, 215 से होकर गुजरती है, सड़क को पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलती है। कल्याणपुर ग्राम के प्लॉट सं० 184 और 292 से होकर गुजरती है। पिपरवार विस्तार 11 की सम्मिलित सीमा बनाती है और "ख" बिन्दु पर मिलती है।
- ख—ग रेखा कल्याणपुर ग्राम के प्लॉट संख्यां 184 और 292 से होकर गुजरती है। पिपरवार विस्तार के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।
- ग—घ रेखा ग्राम कल्याणपुर के प्लॉट सं० 292 ग्राम राजधर के प्लॉट सं० 205 से होकर गुजरती है और ग्राम राजधर और बहेरा की सम्मिलित सीमा के भाग से भी गुजरती है। पिपरवार विस्तार 11 के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है और "घ" बिन्दु पर मिलती है।
- घ—ङ रेखा ग्राम बहेरा के प्लॉट सं० 716, 714, 24, 25, 26, 79, 71, 78, 76, 265, 266, 271, 274, 272, 282, 283, 290, 289 और 1 से होकर गुजरती है जो पिपरवार ब्लॉक विस्तार की सम्मिलित सीमा बनाती है और "ङ" बिन्दु पर मिलती है।
- ङ—च रेखा नदी के मध्य भाग से गुजरती है जो ग्राम बहेरा और कारो की सम्मिलित सीमा बनाती है और 'च' बिन्दु पर मिलती है।
- च—छ रेखा ग्राम बहेरा के प्लॉट सं० 1, 468, 467, 479, 478 से होकर गुजरती है और प्लॉट सं० 487 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलती है और "छ" बिन्दु पर मिलती है।
- छ—ज—झ रेखा ग्राम बहेरा की प्लॉट सं० 487, 495, 494, 493, 492, 491, 490, 489, 441, 542, 654, 653, 662, 661, 670, 694, 684, 690, 687 और 704 से होकर गुजरती है और ग्राम किचटो के प्लॉट सं० 392, 376 और 377 से होकर गुजरती है तथा "झ" बिन्दु पर मिलती है।
- झ—ञ रेखा ग्राम किचटो के प्लॉट सं० 377 और 392 से होकर गुजरती है और "ञ" बिन्दु पर मिलती है।
- ञ—ट रेखा ग्राम किचटो के प्लॉट सं० 392, 379, 380, 379, 376, 382, 384, 383, से होकर गुजरती है और ग्राम बहेरा के प्लॉट सं० 710, 709, 706, 703, 712, 691, 692, 694, 656, 655, 654, 529, 534, 540, 498, 499, 500, 501, 502, 518, 505, 506, 508, 509, 511 और 1 से होकर गुजरती है और ग्राम कारो के प्लॉट संख्या 373, 713, 704, 701, 702, 699, 698, 687, 698, 580, 586, 587, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 555, 556, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 476, 475, 470, 469, 468, 467, 464, 460, 421, 419, 416, 425, 401, 397, 398, 390, 389, 388, 380, 381, 374, 362 से होकर गुजरती है और

प्लॉट सं० 361 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलती है। कल्याणपुर ग्राम के प्लॉट सं० 189 से होकर गुजरती है। प्लॉट सं० 188 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलती है। प्लॉट सं० 189, 190, 191, 192, 185, और 184 से होकर गुजरती है। प्लॉट सं० 159 की उत्तरी सीमा के भाग के साथ-साथ चलती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर "ई" मिलती है।

ब्लाक "ख"

समस्त अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7
1.	कचटो	करेदारी	70/235	हजारीबाग	10.00	भाग
			कुल क्षेत्र या	10.00 एकड़ (लगभग) 4.04 हेक्टर (लगभग)		

ग्राम किचटो में अजित किए गए प्लॉट सं०

538 (भाग) और 557 (भाग)

सीमा वर्णन :

- ठ—ठ रेखा ग्राम किचटो के प्लॉट सं० 557 से होकर गुजरती है जो पिपरवार ब्लाक के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है और "छ" बिन्दु पर मिलती है।
- ठ—ड रेखा किचटो ग्राम के प्लॉट सं० 557 और 538 से होकर गुजरती है और "ट" बिन्दु पर मिलती है।
- ड—ड रेखा नदी की पश्चिमी सीमा के भाग से गुजरती है और "ड" बिन्दु पर मिलती है।
- ड—ट रेखा किचटो ग्राम के प्लॉट सं० 538 और 557 से होकर गुजरती है और आरम्भिक बिन्दु पर "र" पर मिलती है।

ब्लाक "ग"

समस्त अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7
1.	किचटो	करेदारी	78/235	हजारीबाग	2.85	भाग
2.	किरिगारा	बड़कागांव	84	हजारीबाग	35.35	भाग
			कुल क्षेत्र	38.20 एकड़ (लगभग) 15.45 हेक्टर (लगभग)		

ग्राम किचटो में अजित किए गए प्लॉट सं०

534 (भाग) और 535 (भाग)।

ग्राम किरिगारा में अर्जित किए गए प्लॉट सं०

15, 25 (भाग), 28 (भाग), 29 (भाग), 30 (भाग), 31 (भाग) 179 (भाग), 180 (भाग), 239 (भाग), 240 (भाग), 241 (भाग), 242, 243, 244, 245 (भाग), 246 (भाग), 247, 249, 250, 251, 252 (भाग), 253 (भाग), 257 (भाग), 258, 259 (भाग), 262 (भाग), 263 (भाग), 264 (भाग), 265 (भाग), 269 (भाग) 270 (भाग), 271, 272 (भाग), 273 (भाग), 275 (भाग), 276, 277, 278 (भाग), 279 (भाग), 282, 283, 284, 285, 286, 287 (भाग), 415 (भाग), 427 (भाग), 428 (भाग), 438 (भाग), 439 (भाग), 440, 441 (भाग), 444 (भाग) और 669 (भाग)।

सीमा वर्णन :

- ण—ण/1 रेखा किचटो ग्राम के प्लॉट सं० 535 से होकर गुजरती है जो विपरवार ब्लॉक 11 के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है और “ण”/1 बिन्दु पर मिलती है।
- ण/1—त रेखा किचटो ग्राम के प्लॉट सं० 534 से होकर गुजरती है। उसके पश्चात् प्लॉट सं० 25, 31, 30, 29, 245, 246 से होकर गुजरती है प्लॉट सं० 247 और 250 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलती है। प्लॉट सं० 252, 253, 257, 259, 262, 263, 264, 265, 269, 270, 272, 273, 275, 28 और 669 से होकर गुजरती है और “त” बिन्दु पर मिलती है।
- त—थ रेखा ग्राम किरिगारा के प्लॉट सं० 669 से होकर गुजरती है और “थ” बिन्दु पर मिलती है।
- थ—ण रेखा ग्राम किरिगारा के प्लॉट सं० 669, 444, 441, 439, 428, 427, 415, 279, 278, 287, 239, 240, 241, 180, 179, 29, 30, 31 और 25 से होकर गुजरती है और ग्राम किचटो के प्लॉट सं० 534 और 535 से होकर गुजरती है और आरम्भिक बिन्दु “ण” पर मिलती है।

[सं० 43015/991—एलएस० डबल्यू]

बी०बी० राव, अवर सचिव

New Delhi, the 20th September, 1993

3. O. 1991 — Varanasi by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S. O. 2325, dated the 29th August, 1991 published in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 14th September 1991 read with the notification no. SO.1964, dated the 10th July, 1992, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 25th July, 1992, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government gave notice of its intention to acquire the land measuring 429.70 acres (approximately) or 173.87 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to this notification:

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act, has made its report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Bihar is satisfied that the land measuring 429.70 acres (approximately) or 173.87 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the land measuring 429.70 acres (approximately) or 173.87 hectares (approximately), described in the said Schedule is hereby acquired.

2. The plan bearing number Rev/45/91 dated the 25th November, 1991 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Deputy Commissioner, Charta (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House street, Calcutta or in the Office of the Central Coalfields limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

PIPARWAR BLOCK EXTENSION-III
NORTH KARANPURA COALFIELD
DISTRICT CHATRA AND HAZARIBAGH
BLOCK 'A'

Drg. No. Rev/45/91
Dated 25-11-91
(Showing land acquired)

All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area in acre	Remarks
1.	Kalyanpur	Tandwa	85/242	Chatra	66.35	Part
2.	Rajdhar	Tandwa	82/239	Chatra	0.65	Part
3.	Bahera	Tandwa	79/236	Chatra	103.85	Part
4.	Karo	Keredari	77	Hazaribagh	20.25	Part
5.	Kichto	Keredari	78/235	Hazaribagh	4.40	Part
Total area : 381.50 acres (approximately)						
or 154.38 [hectares (approximately)]						

Plot numbers acquired in village Kalyanpur: 158(part), 159(Part), 184(Part), 185(Part), 189(Part), 190(Part), 191(Part), 192(Part), 193 to 213, 215(Part), 292(Part) and 296.

Plot number acquired in village Rajdhar : 205 (Part).

Plot numbers acquired in village Bahera: 1(Part), 2 to 23, 24(P), 25(Part), 36(Part), 37 to 70, 71(part), 72, 73, 74, 75, 76(Part), 77, 78(Part), 79(Part), 263(Part), 266(Part), 271(Part), 272, (Part), 273, 274(Part), 275 to 281, 282(Part), 283(Part), 284 to 288, 289 (Part), 290(Part), 467(Part), 468(Part), 469 to 477, 478 (Part), 479(Part), 487(Part), 489 (Part), 490(Part), 491(Part), 492(Part), 493(Part), 494(Part), 495(Part), 496, 497, 498(Part), 499(Part), 500(Part), 501 (Part), 502(Part), 503, 505(Part), 506 (Part), 507, 508(Part), 509(Part), 510, 511(Part), 513(Part), 529 (Part), 530, 531, 532, 534(Part), 540(Part), 541(Part), 542 (Part), 653 (Part), 654(Part), 655(Part), 656(Part), 657, 658, 659, 660, 661(Part), 662(Part), 670(Part), 684(Part), 687(Part), 688, 689(Part), 690(Part), 691(Part), 692(Part), 693, 694(Part), 703(Part), 704(Part), 706, 607(Part), 709(Part), 710 (Part), 712(Part), 714(Part) and 716 (Part).

Plot numbers acquired in village Karo: 362(Part), 363 to 372, 373(Part), 374(Part), 375 to 379, 380(Part), 381(Part), 388 (Part), 389(Part), 390(Part), 391 to 396, 397(Part), 398(Part), 401(Part), 416(Part), 419(Part), 421(Part), 422, 423, 424, 425(Part), 426 to 443, 449(Part), 450(Part), 451(Part), 452 (Part), 453 (Part), 454(Part), 455 to 459, 460 (Part), 461, 462, 463, 464(Part), 467(Part), 468(Part), 469(Part), 470(Part), 475(Part), 476(Part), 546(Part), 547 (Part), 548 (Part), 549 (Part), 550 (Part), 551 (Part), 552 (Part), 555 (Part), 556 (Part), 557 to 579, 580 (Part), 581 to 585, 586(Part), 587(Part), 678(Part), 679 to 696, 697 (Part), 698(Part), 699(Part), 700, 701 (Part), 702 (Part), 704(Part) and 713(Part).

Plot numbers acquired in village Kichto: 375, 376(Part), 377(Part), 378, 379(Part), 380(Part), 382(Part), 383(Part), 384(Part), and 392(Part).

Boundary Description

- A—B line passes through plot numbers 159, 158, 215, along part of western boundary of Road plot number 184 of village Kalyanpur forms common boundary of Piparwar Extension II and meets at point 'B'.
- B—C line passes through plot numbers 184 and 292 of village Kalyanpur, forms common boundary with Piparwar Extension II and meets at point 'C'.
- 3C—D line passes through plot number 292 of village Kalyanpur, plot number 205 of village Rajdhar and also along the part common boundary of villages Rajdhar and Bahera, forms common boundary with Piparwar Extension II and meets at point 'D'.

- D—E line passes through plot numbers 716, 714, 24, 25, 36, 79, 71, 78, 76, 265, 266, 271, 274, 272, 282, 283, 290, 289 and 1 of village Bahera which forms common boundary with Piparwar Block Extension II and meets at point 'E'.
- E—F line passes along the Centre of the river which forms part common boundary of villages Bahera and Karo and meets at point 'F'.
- F—G line passes through plot numbers 1, 468, 467, 479, 478, along part western boundary of plot number 487 of village Bahera and meets at point 'G'.
- G—H—I lines pass through plot numbers 487, 495, 494, 493, 492, 491, 490, 489, 541, 542, 654, 653, 662, 661, 670, 694, 684, 690, 689, 687 and 704—village Bahera and through plot numbers 392, 376 and 377 of village Kichto and meets at point 'I'.
- I—J line passes through plot numbers 377 and 392 of village Kichto and meets at point 'J'.
- J—A line passes through plot numbers 392, 379, 380, 379, 376, 382, 384, 383 of village Kichto and through plot numbers 710, 709, 706, 703, 712, 691, 692, 694, 656, 655, 654, 529, 534, 540, 498, 499, 500, 501, 502, 518, 505, 506, 508, 509, 511 and 1 of village Bahera and through plot numbers 373, 713, 704, 701, 702, 699, 698, 697, 673, 580, 586, 587, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 555, 556, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 476, 475, 470, 469, 468, 467, 464, 460, 421, 419, 416, 425, 401, 397, 398, 390, 389, 388, 380, 381, 374, 362, along southern boundary of plot number 361 of village Karo and through plot number 189 along southern boundary of plot number 188, through plot numbers 189, 190, 191, 192, 185 and 184, along part northern boundary of plot number 159 of village Kalyanpur and meets at starting point 'A'.

BLOCK 'B'

All rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Kichto Keredari	78/235	Hazaribagh		10.00	Part
Total area : 10.00 acres (approximately) or 4.04 hectares (approximately)						

Plot numbers acquired in village Kichto : 538(Part) and 557 (Part).

Boundary description :

- K.L line passes through plot number 557 of village Kichto which forms common boundary with Piparwar Block II and meets at points 'L'.
- L—M line passes through plot numbers 557 and 538 of village Kichto and meets at point 'M'.
- M—N line passes along the part western boundary of the river and meets at point 'N'.
- N—K line passes through plot numbers 538 and 557 of village Kichto and meets at starting point 'K'.

BLOCK 'C'

All rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area in acre	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Kichto	Keredari	78/235	Hazaribagh	2.85	Part
2.	Kirigara	Barkagaon	84	Hazaribagh	35.35	Part
Total area : 38.20 acres (approximately) or 15.45 hectares (approximately)						

Plot numbers acquired in village Kichto : 534 (Part) and 535(Part).

Plot numbers acquired in village Kirigara : 15, 25(Part), 28(Part), 29(Part), 30(Part), 31(Part), 179(Part), 180(Part), 239(Part), 250(Part), 241(Part), 242, 243, 244, 245(Part), 246(Part), 247, 249, 250, 251, 252(Part), 253(Part), 257(Part), 258, 259(Part), 262(Part), 263(Part), 264(Part), 265(Part), 269(Part), 270(Part), 271, 272(Part), 273(Part), 275(Part), 276, 277, 278(Part), 279(Part), 282, 283, 284, 285, 286, 287(Part), 415(Part), 427(Part), 428(Part), 438, 439(Part), 440, 441(Part), 444(Part), and 669(Part).

Boundary description:

- O—O/1 line passes through plot number 535 in village Kichto which forms common boundary with Piparwar Block II and meets at point 'O/1'.
- O/1—P line passes through plot number 534 of village Kichto then through plot numbers 25, 31, 30, 29, 245, 246, along southern boundary of plot numbers 247 and 250, through plot numbers 252, 253, 257, 259, 262, 263, 264, 265, 269, 270, 272, 273, 278, 275, 28 and 669 of village Kirigara and meets at a point 'P'.
- P—O line passes through plot number 669 of village Kirigara and meets at point 'Q'.
- Q—O line passes through plot numbers 669, 444, 441, 439, 428, 427, 415, 279, 273, 287, 239, 240, 241, 180, 179, 29, 30, 31 and 25 of village Kirigara and through plot numbers 534 and 535 of village Kichto and meets at starting point 'O'.

[No. 43015/9/91-LSW]

B.B. RAO, Under Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

(युनेस्को एकक)

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1993

का.आ. 2225—आरोबिल प्रविष्टान अधिनियम, 1988 (1988 का 54) की धारा 3 के आधार पर नियत दिन को, उक्त अधिनियम की अनुसूची में वर्णित सोसायटी, न्यास और निकाय के उक्त उपक्रमों को जो उसके भाग हैं, आरोबिल से संबंधित हैं, और ऐसे उपक्रमों के संबंध में सोसायटी, न्यास और निकाय के अधिकार, हक और हितों ध्वस्त करने केन्द्रीय सरकार में निहित किए गए थे।

और उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन धरणी शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय में भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित अधिसूचना सं. का. आ. 480, तारीख 29 अक्टूबर, 1991 द्वारा आरोबिल प्रविष्टान के स्थापन को अधिसूचित कर दिया था।

अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए निदेश देती है कि उपक्रम और आरंभिक न्यास, आरोबिल (आरलेक आर्केडो प्रक्रमण तंत्र और प्रिन्मा विज्ञापन अधिकरण से संबंधित सोसायटी न्यास या निकाय के अधिकार से हक और हित, जो उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन केन्द्रीय सरकार में निहित थे, 1 सितम्बर, 1993 से केन्द्रीय सरकार में निहित बने रहने के बजाए आरोबिल प्रविष्टान में निहित होंगे।

[सं. एक 27/15/91-युयु]

एस.आर. तायल, निदेशक

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Education)

(UNESCO UNIT)

New Delhi, the 27th September, 1993

S.O. 2225.—Whereas by virtue of the section 3 of the Auroville Foundation Act, 1988 (54 of 1988) on the appointed day, so much of the Undertakings of the society, trust and body mentioned in the schedule to the said Act, as form part of, are relatable to Auroville and the right, title and interest of the society, trust and body, in relation to 2290 GI/93—3

such Undertakings, were transferred to, and vested in the Central Government;

And, whereas, the Government of India in the Ministry of Human Resource Development vide No. S.O. 480 dated the 29th January, 1991 published in part II section 3, sub-section (ii) in the Gazette of India notified the establishment of the Auroville Foundation in exercise of its power under sub-section (1) of section 10 of the said Act.

Now in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Undertakings and the right, title and the interest of the society, trust or body in relation to Aurelec Trust, Auroville (Aurolec Data Processing Systems & Prisma Advertising Agency) which had vested in the Central Government under section 3 of the said Act, shall instead of continuing to vest in the Central Government, vest in the Auroville Foundation with effect from the 1st day of September, 1993.

[No. F. 27-15/91-UU]

S. R. TAYAL, Director

शहरी विकास मंत्रालय

(दिल्ली प्रभाग)

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

का.आ. 2226—दिल्ली नगर कला आयोग अधिनियम, 1973 (1974 का 1) की धारा 5 की उपधारा (5) के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार, शहरी विकास मंत्रालय के दिनांक 07 जुलाई, 1993 की अधिसूचना सं. ए 11013/4/84-डी डी/वी/6/बी के अधिक्रमण में, केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री ए.पी. सिन्हा को श्री आर. वनजी के स्थान पर तत्काल से दिल्ली नगर कला आयोग के अंशकारी सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. ए-11013/4/84-डी डी/वी/VI-1 की]

विजय कुमार, सचिव

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT
(DELHI DIVISION)

New Delhi, the 30th September, 1993

S.O. 2226—In exercise of the powers conferred by Section 4 read with Sub-section (v) of Section 5 of the Delhi Urban

Art Commission Act, 1973 (1 of 1974) and in supersession of Government of India, Ministry of Urban Development Notification No. A-11013/4/84-DDVB/VI/IB dated the 7th July, 1993, the Central Government hereby appoints Shri A. P. Sinha as part-time Member of the Delhi Urban Arts Commission vice Shri R. Bannerji with immediate effect.

[No. A-11013/4/84-DDVB/VI/IB]
VIJAY KUMAR, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1993

क्र. भा. 2227.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना क्र. भा. सं. 2012 तारीख 14-7-92 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों को उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजह से तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी आस्थाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

वी एन एफ आर से डेलोली इ पी एम-JI तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला और तालुका : महेसाना				
गाँव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.	
देलोली	237	0	20	40	
	108/1	0	14	64	
	111/1	0	05	52	
	111/2	0	06	96	
	112	0	18	60	
	117	0	07	20	

[सं. ओ.-12016/43/92-ओ एन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 14th September, 1993

S.O. 2227.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O.

No. 2012 dated 14-7-92 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to that notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline BLFR to Balol EPS. II

State : Gujarat

District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
Deloli	237	0	20	40
	108/1	0	14	64
	111/1	0	05	52
	111/2	0	06	96
	112	0	18	60
	117	0	07	20

[No. O-12016/43/92-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1993

क्र. भा. 2228.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना क्र. भा. सं. 2028 तारीख 14-7-92 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों को उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

पी वी ए एण्ड पी डी ए एफ से पावरा इ पी एन गैस पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य--गुजरात जिला और तालुका --बड़ोदरा

गाँव	ब्लॉक नं.	हे.	आर.	सें.
हिंगलोद	98	0	00	16
	99/बी	0	00	16
	97	0	06	50
	96	0	02	54

[नं. ओ. --12016/59/92--ओ एन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th September, 1993

S.O. 2228.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 2028 dated 14-7-92 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from PDAE & PDAF to PADRA EPS.

State : Gujarat

District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
HINGALOT	98	0	00	16
	99/B	0	00	16
	97	0	06	50
	96	0	02	54

[No. O-12016/59/92-ONG. D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1993

का. आ. 2229--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संसाधन की अधिसूचना का. आ. सं. 2032 तारीख 14-7-92 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार का पाईपलाईन को बिछाने के लिए अधिग्रहण करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और, यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों को उपयोग का अधिकार अधिग्रहण करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अधिग्रहित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

डक्यू. डक्यू. टी. पी. से डाडर नदी तक पाईप लाईन बिछाने के लिए राज्य--गुजरात जिला--महसना तालुका--बागरा

गाँव	ब्लॉक नं.	हे.	आर.	सेन्टी.
वाचपेल	927	0	02	84
	926	0	09	36
	933	0	20	80
	754	0	14	56
	755	0	26	00
	758	0	24	95
	760	0	22	80
	761	0	09	36
	670	0	30	16
	669	0	06	50
	काटे ट्रैक	0	01	95
	665	0	24	72
	663	0	21	96
	648	0	21	84
	617	0	13	52
	500	0	28	08
	499	0	15	34
	493	0	41	60
	490	0	09	36
	488	0	04	96
	486	0	20	80

1	2	3	4	5
	366	0	17	68
	369	0	24	70
	368	0	11	44
	377	0	15	60
	291	0	21	84
	288	01	22	07

[सं. ओ.-12016/63/92/ओ० एन० जी०-डी०-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th September, 1993

S.O. 2229.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O. No. 2032 dated 14-7-92 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from WWTP to Dhadhar River

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagra

Village	Block No.	Hectare	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Chanchwel	927	0	02	84
	926	0	09	36
	933	0	20	80
	754	0	14	56
	755	0	26	00
	758	0	24	96
	760	0	22	80
	761	0	09	36
	670	0	30	16
	669	0	06	50
Cart track	0	01	95	
	665	0	24	72
	663	0	24	96
	648	0	21	84
	647	0	13	52

1	2	3	4	5
	500	0	28	08
	499	0	15	4
	493	0	41	60
	490	0	09	36
	488	0	04	96
	486	0	20	80
	366	0	17	68
	369	0	24	70
	368	0	11	44
	377	0	15	60
	291	0	21	84
	288	01	22	07

[No. O-12016/63/92-ONG, D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 मितम्बर, 1993

का. आ. सं. 2230—यतः, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिनियम का अर्ज) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2956, तारीख 6-11-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अधिग्रहण करने का अपना प्राथम्य घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधिग्रहण करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अधिग्रहित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

इ पी एम गंवार से जी. एन. एफ. सी. तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : भरुच	तालुका : आग्नेय		
गांव	ब्लॉक नं.	हे.	घ्रा.	सेन्टी.
1	2	3	4	5
सेशां टंकरीया	897	0	11	42
	888	0	58	18
	901	0	00	16

1	2	3	4	5
	885	0	52	30
	884	0	10	40
	878	0	06	10
	877	0	06	80
	876	0	32	90
	कार्ट ट्रैक	0	06	40
	915	0	25	30
	कार्ट ट्रैक	0	06	80
	991	0	03	52
	990	0	15	40
	919	0	27	10
	984	0	18	00
	985	0	40	80
	1002	0	10	08
	1004	0	05	10
	कार्ट ट्रैक	0	09	20
	1003	0	14	20
	1103	0	19	40
	1102	0	10	10
	1101	0	11	70
	1100	0	09	80
	1099	0	27	50
	1098	0	36	20
	1095	0	24	28
	1169	0	26	40
	1180	0	10	70
	1170	0	04	87
	1179	0	30	60
	1184	0	49	00
	1183	0	60	00

[सं. ओ.-11027/133/89-ओ. एन. जी. डी. 3]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th September, 1993

S.O. 2230.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 2956 dated 6-11-89 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from EPS Gandhar to GNFC.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : AMOD

Village	Block No.	Hectare	Are	Centi-are
1	2	3	4	
Roza-Tankaria	897	0	11	42
	888	0	58	18
	901	0	00	61
	885	0	52	30
	884	0	10	40
	878	0	06	10
	877	0	06	80
	876	0	32	90
	Cart track	0	06	40
	715	0	25	30
	Cart track	0	06	80
	991	0	03	52
	790	0	15	40
	919	0	27	10
	984	0	18	00
	985	0	40	80
	1002	0	10	08
	1004		05	10
	Cart track	0	09	20
	1003	0	14	20
	1103	0	19	40
	1102	0	10	10
	1101	0	11	70
	1100	0	09	80
	1099	0	27	50
	1098	0	36	20
	1095	0	24	28
	1169	0	26	40
	1180	0	10	70
	1170	0	04	87
	1179	0	30	60
	1184	0	49	00
	1183	0	60	00

[No. O-11027/133/89-ONG. D-II]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1993

का.सा. 2231-—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिनियम का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन जारी और भारत सरकार के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) की पृष्ठ सं. 312 से 313 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.सा.सं. 214 तारीख 6 फरवरी, 1993 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने घोषित किया कि पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप-लाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

और केन्द्रीय सरकार के ध्यान में लाया गया है कि राजपत्र में प्रकाशित उपरोक्त अधिसूचना में सप्रण संबंधी कुछ त्रुटियाँ हैं।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

पृष्ठ संख्या 312: खेड़ी नाथिया गांव के किला संख्या 58/18 एवं कमलपुर गांव के किला संख्या 120/14/2 के मध्य तहसील का नाम 'सुताम' एवं जिला का नाम 'संगरूर' निवेश करें।

गुजरात गांव के किला संख्या 30/31/1 एवं कम्बो माजरा गांव के किला संख्या 345/48/1 के मध्य तहसील का नाम 'संगरूर' एवं जिला का नाम 'संगरूर' निवेश करें।

कम्बो माजरा गांव के स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या '437/48/2' के स्थान पर '347/48/2' पढ़ें।

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से निहित होने के बजाए सभी बिल्लगनों से मुक्त होकर, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

[सं. आर. 31015/26/92 ओ आर 1]

कुलदीप सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 27th September, 1993

S.O. 2231.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, No. S.O. 214, dated 6th February, 1993 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), at page 313 to 314 issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared that the right of user in the land specified in the Schedule appended to the notification for the purpose of laying pipelines for the transport of petroleum should be acquired;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows:

at page 313, in village Dedana, against killa No. 31/25 column 6, for '68' read '62';

in village Seona, against killa No. 74/9 in column 4, the figure '12' shall be omitted;

at page 314, in village Kambo Majra, in column 3, for killa No. '345/84/1' read '345/48/1'; before so amended killa No. 345/48/1 of village Kambo Majra and after killa No. 30/31/1 of village Gujran insert "Tehsil : Sangrur, District Sangrur"; after killa No. 306/8 of village Longowal and before killa No. 231/5 of village Chowke insert "Tehsil Phul District : Bhatinda";

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government directs that the right or user in the lands shall instead of vesting in the Central Government, vest free from all encumbrances in the Indian Oil Corporation Limited.

[No. R-31015/26/92-OR-I]

KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1993

का.आ. 2232—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे हममें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई

भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 626 तारीख 22 फरवरी, 1992 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अर्पण आशय की घोषणा की थी;

और उक्त अधिसूचना की राजपत्र प्रतियां जनता की तारीख 17 मार्च, 1992 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में संलग्न प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी बिल्लगनों से रहित, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : गुहूला	जिला : कैथल	राज्य : हरियाणा			
गांव का नाम	हफ्तस्त मं.	मुस्तवील म. किला न.	क्षेत्रफल	हेक्टर आर वर्गमीटर	
1	2	3	4	5	6
खेड़ी गुलामअली	83	12 18	0	00	10
उमैदपुर	82	50 5/1 5/2	0 0	03 08	54 60
प्रभावत	81	6 25/2 10 10/1	0	07	84
जनेदपुर	93	6 20 21 22	0 0	01 14	77 67
		7 8 13 14/1 14/2 15 16	0 0 0	01 09 03 08 00 13	52 61 54 10 10 66

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		17/1	0	00	51			57			
		17/2	0	01	26			5	0	07	08
		25	0	00	25			58			
		11						1	0	07	08
		1	0	01	01			9	0	05	56
		2	0	14	42			10	0	10	37
		9	0	01	26			12	0	13	16
लवाना चक्क	97	66						13	0	00	25
		1	0	00	10			18	0	11	38
मस्तगढ़	103	70						19	0	02	02
		22	0	06	83			23	0	10	62
		23	0	12	90			24	0	03	03
		24	0	02	02			79			
		82						3	0	00	10
		19	0	08	35			4	0	13	16
		20	0	13	40			6	0	07	33
		22	0	05	06			7	0	06	07
		23/1	0	04	55			15	0	12	90
		23/2	0	03	29			16	0	01	52
		24	0	10	62			82			
		25	0	00	25			16/1	0	06	32
		83									
		1	0	02	02						
		8	0	03	04						
		9	0	13	41						
		10	0	11	63						
		12	0	00	25						
		13	0	10	37						
		14	0	13	40						
		15	0	05	82						
		16	0	07	84						
		84									
		3	0	00	51						
		4	0	11	38						
		5	0	13	15						
		6	0	00	51						
		87									
		4	0	02	78						
		5	0	12	90						
		88									
		1/1	0	04	81						
		1/2	0	04	81						
तारां बाली	101	15									
		23/1	0	06	57						
		23/2	0	05	82						
		27									
		10/1	0	07	59						
		10/2	0	03	54						
		28									
		21	0	00	25						
		22	0	03	29						
कमोय	102	56									
		25/1	0	05	82						

[सं. प्रार-31015/29/93-ओ प्रार-1]

कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव

New Delhi, the 5th October, 1993

S.O. 2232.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 626 dated the 22nd February, 1992, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum ;

And whereas the Gazette copies of the said notification were made available to the publication on the 17th March, 1993 ;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of Section 6 of the said Act has made his report to the Central Government ;

And whereas the Central Government after considering the said report satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired ;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE						1	2	3	4	5	6
Tehsil : Guhla	District : Kaithal	State : Haryana						9	0	13	41
								10	0	11	63
								12	0	00	25
Name of Village	Hadbast No.	Mustateel/ Killa No.	Area					13	0	10	37
			Hec- are	Are	Centi- are			14	0	10	40
								15	0	05	82
								16	0	07	84
								84			
1	2	3	4	5	6						
Kheri Gulam Ali	83	12						3	0	00	51
		18	0	00	10			4	0	11	38
								5	0	13	15
Uned Pur	82	50						6	0	00	51
								87			
		5/1	0	03	54			4	0	02	78
		5/2	0	03	60			5	0	12	90
Parbhawat	81	6						88			
		25/2	0	07	84			1/1	0	04	81
		10						1/2	0	04	81
		10/1	0	03	03	Taran Wali	101	15			
Janed Pur	93	6						23/1	0	06	57
		20	0	01	77			23/2	0	05	82
		21	0	14	67			27			
		22	0	00	76			10/1	0	07	59
		7						10/2	0	03	54
		8	0	01	52			28			
		13	0	09	61			21	0	00	25
		14/1	0	03	54			22	0	03	29
		14/2	0	08	10						
		15	0	00	10	Kasore	102	56			
		16	0	13	66			25/1	0	05	82
		17/1	0	00	51			57			
		17/2	0	01	26			5	0	07	08
		25	0	00	25			58			
		11						1	0	07	08
		1	0	01	01			9	0	05	56
		2	0	14	42			10	0	10	37
		9	0	01	26			12	0	13	16
Ladana Chakku	97	66						13	0	00	25
		1	0	00	10			18	0	11	38
								19	0	02	02
Mast Garh	103	70						23	0	10	62
		22	0	06	83			24	0	03	03
		23	0	12	90			79			
		24	0	02	02			3	0	00	10
		82						4	0	13	16
		19	0	08	35			6	0	07	33
		20	0	13	40			7	0	06	07
		22	0	05	06			15	0	12	90
		23/1	0	04	55			16	0	01	52
		23/2	0	03	29			82			
		24	0	10	62			16/1	0	06	32
		25	0	00	25						
		83									
		1	0	02	02						
		8	0	03	04						

[No. R-31015/29/93-O.R.I.]
KULDIP SINGH, Under Secy

[No. R-31015/29/93-O.R.I.]

KULDIP SINGH, Under Secy.

गुडि पत्र

at page 1057

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1993

का.पा. 2233:—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.पा. 682 तारीख 3 अप्रैल 1993 (हिन्दी पाठ) द्वारा जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) के पृष्ठ 1056 पर प्रकाशित हुई थी, यह घोषणा की थी कि पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार के ध्यान में यह लाया गया है कि राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन में मुद्रण प्रकृति की कतिपय गलतियाँ हुई हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची का निम्न प्रकार से संशोधन करती है,

पृष्ठ 1056 के बायें भाग में ऊपर से इक्कीसवीं पंक्ति पर सर्वे संख्या '597/1' के सामने हैक्टर के कालम (3) में लिखे 'ह०' के स्थान पर '00' पढ़ें।

—के बाहिरे भाग में सर्वे संख्या के कालम (2) के छठवीं पंक्ति पर लिखे '447/1' के स्थान पर '447/2' पढ़ें।

यह और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विस्मय से मुक्त होकर, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

[संख्या कार-31015/27/93 और कार 1]

कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 5th October, 1993

S.O. 2233.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 682, dated the 3rd April, 1993, published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), at pages 1056-1057, issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of petroleum, should be acquired;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby amends the Schedule annexed to the said notification as follows:

at page 1056,

in village Dedra, against survey number 152/3, in column 4, for "14" read "13", in column 5, for "15" read "14", against survey number 152/1, in column 5, for "35" read "34", in column 2, for survey number "1513" read "151",

in village Lakhagadh, in column 2, for survey number '163/2' appearing for the second time read '163/3' against survey number 171, in column 3, for "90" read "00", against survey number 73 in column 3, for "01" read "00", in column 1 for the name of village 'Adesari' read 'Adesar', in so amended village Adesar, in column 2, for survey number "597/" read "597/2", in column 2, for survey number "552/" read "552/2", for survey number "554" read "554/1", and for survey number "484" read "494".

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest free from all encumbrances in the Indian Oil Corporation Limited.

[No. R-31015/27/93-OR-I]

KULDIP SINGH, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1993

का.पा. 2234:—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.पा. 141 तारीख 23 जनवरी, 1993 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 01 फरवरी 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसार • में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो जाने पर कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विस्मयों से रहित, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

घनसूची						1	2	3	4	5	6
तहसील : समाना		जिला : पटियाला		राज्य : पंजाब				20	0	00	00
गांव का नाम	हवबस्त सं.	गुस्तसील न.	क्षेत्रफल					22	0	07	08
		किला न.						23/1	0	05	56
			हैक्टर	घार	वर्गमीटर			53			
1	2	3	4	5	6			4	0	09	11
सिओना	187	11						5	0	12	65
		2	0	07	08			6	0	02	02
		78						58			
		3	0	13	92			3/1	0	01	26
		69						3/2	0	08	60
		25	0	07	84			8	0	05	06
बादशाहपुर	188	17/3	0	03	04	तहसील : मुक्तम					
		70				जिला : संगरूर		राज्य : पंजाब			
		10	0	00	76	सेहाल	131	51			
ऊगोके	186	17	0	01	01			15	0	11	38
		31						47			
		11	0	14	16			4	0	00	76
कुलबानू	185	51						6	0	02	28
		19/1/1	0	05	31			7	0	14	16
		14						15/1	0	09	86
		8	0	14	16			48			
		13	0	03	04			11	0	02	53
		14	0	14	42			37			
		15	0	02	02			9/1	0	03	54
		16	0	12	65			12/1	0	11	63
		9	0	01	01			12/2	0	01	77
		22						16	0	04	55
		11/2	0	05	31			17	0	05	31
		23						23	0	00	76
षषा	183	8	0	02	78			24	0	06	83
		59						25	0	09	11
देवना	184	13	0	00	76			23			
		27						18/1	0	06	83
		11	0	00	51			18/2	0	05	82
		20	0	13	15			19	0	12	39
		21/1	0	03	29			20/1	0	12	39
		21/2	0	04	04			24/1	0	09	11
		48						24/2	0	01	77
		19	0	00	51			38			
		55						4	0	08	60
		23	0	00	00	मुंशीवाला	135	9			
		72						1	0	01	77
		17	0	00	00			10			
जेडी नाबिया	128	44						24	0	13	91
		22	0	04	30						
		23	0	13	91	सफीरपुर खुर्द	133	29			
		24	0	05	06			25/1	0	00	25
		52						44			
		1	0	00	76			18	0	01	77
		10	0	12	14	समूरान	134	16			
		11	0	10	12			7	0	00	25
		12	0	03	04	कमलापुर	126	120			
		19/1	0	04	05			14/2	0	05	82
		19/2	0	08	85			15/1	0	04	80

[illegible]

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		13/2	0	01	77			14/2	0	07	84
		12/2	0	11	38			15/1	0	01	52
								15/2	0	10	88
कम्बो माजरा कलां	45	199	0	11	38			12			
		200/1	0	01	26			12	0	12	39
		200/2	0	00	00			13	0	12	40
		337/32/3	0	06	32			14	0	12	40
उपली	7	1291	0	06	83			15	0	12	39
		1292	0	00	76	मन्देर खुर्द	81	44			
		1293	0	12	65			20	0	01	27
		1295	0	03	04			45			
उबेवाल	6	99						16/1	0	11	13
		21/2	0	09	11			17	0	12	14
		101						21	0	11	63
		22	0	01	77			46			
		101						24	0	12	39
		23	0	06	58			25	0	12	39
		24	0	07	59			50			
		25	0	12	39			12	0	06	07
		129						13	9	07	34
		3	0	12	39			14/1	0	02	77
		4	0	12	40			14/2	0	07	59
		130						15	0	06	07
		2	0	10	62			16	0	01	26
		3/2	0	06	58			17	0	03	29
		4	0	01	77			18	0	05	06
								19	0	06	07
साहीके	82	6						51			
		8	0	03	79			18/1	0	11	13
		9/1	0	12	40			99	0	05	57
		10	0	09	35	सोमोवाल		249			
		11/1	0	03	04			17	0	01	01
		7						24	0	11	13
		15/1	0	02	83			25	0	10	88
		8						250			
		14	0	03	54			19	0	12	39
		15	0	06	07			20	0	09	61
		16	0	01	01			252			
		17	0	02	02			14/2	0	01	01
		20	0	11	13			15/1	0	00	08
		9						255			
		16	0	00	75			2	0	02	79
		10						266			
		11/2	0	11	63			13/1	0	03	29
		12/1/2	0	00	25			267			
		12/2/2	0	04	05			14	0	01	77
		18	0	13	91			16/2	0	09	11
		11						17/1	0	04	30
		11/1	0	03	54			25/1	0	00	51
		11/3	0	03	54						
		12/2	0	12	39	रतोके	76	17			
		13	0	12	39			6/1	0	05	81
		14/1	0	04	56			6/3	0	04	55

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		7	0	12	39	कोड क्रमा	80	52			
		8	0	08	60			—			
किला भारिमान	5	51						12	0	00	25
		16	0	00	25			18	0	05	06
		17	0	04	55			19	0	12	65
		18	0	04	81			20	0	12	39
		23/1	0	07	33	तहसील : मानसा		जिला : मानसा		राज्य : पंजाब	
		24	0	07	84						
		75	0	12	14	अकलिया	6	98			
		53						22/2	0	01	77
		18	0	12	90			72			
		19/1	0	01	77			3	0	03	79
		19/2	0	10	88			86			
		20/1	0	05	82			6	0	12	65
		20/2	0	02	78			9	0	03	04
		59				तहसील : कूश		जिला : मर्हटा		राज्य : पंजाब	
		5/2	0	04	08						
		60									
		3	0	11	89	बाकरी	480	229			
बीहा खेरा	1	80						7	0	06	83
		18	0	12	39			8	0	06	83
		90						230			
		20	0	01	82			50	0	10	12
बीर प्रसवान	38	18						6	0	02	27
		1	0	08	60			7	0	02	79
		2	0	12	68			231			
		3	0	00	28			2	0	11	13
		7	0	03	29			3	0	11	89
		8	0	14	41			4	0	12	39
		9	0	02	78			8	0	00	51
		14	0	10	88			9	0	01	01
		15	0	10	88			10	0	01	77
		16	0	03	28			232			
		19						1	0	12	39
		19	0	01	77			3	0	12	39
		20	0	14	42			4/1	0	10	88
		21	0	00	00			4/2	0	01	51
रामगढ़ सिन्धवान	6	357/1	0	01	01	रामगढ़	4	23			
		357/2	0	07	33			9/1	0	03	79
		357/3	0	05	31			10/1	0	11	63
		358	0	01	82						
		367	0	04	05	खोबर	1	705			
		368	0	18	46			1	0	07	65
		369	0	02	78	कुड़े	3	591			
		370	0	00	81			1/2/1	0	01	26
		371	0	17	70			901/1	0	15	68
		373	0	22	28			901/2	0	00	25
कम्बो भाजरा कुर्ब	36	207	0	08	80			975/3	0	07	84
तहसील : बरमासा								982/1/1/2/2	0	06	83
								992/2	0	14	41
प्रसवान कला	79	109									
		21	0	12	40						

1	2	3	4	5	6
बासियावाली	6	146			
		3/1	0	02	78
		3/2	0	01	77
		161			
		4/1	0	09	87
		8/1	0	07	33
		8/2	0	08	10
मंहुके	11	221/2	0	01	26
<hr/>					
तहसील : भटिंदा		जिला : भटिंदा		राज्य : पंजाब	
<hr/>					
चक राम सिंह	204	67			
बाला		8/2	0	02	78
		72			
		13/2/1	0	06	58
		73			
		11/2	0	01	77
चक फतह सिंह	205	136			
बाला		24/1	0	01	77
तुंगवाली	208	172			
		21/2	0	04	30
		178			
		12	0	01	26
		207			
		17/2	0	13	91
		208			
		19	0	04	55
		20/3	0	12	39
तुलाबगढ़ उर्फ	58	19			
भार्डवाला		15/2	0	05	31
		16	0	07	59
		17	0	12	90
		18/1	0	00	25
		18/2	0	11	64
		19/1	0	01	77
		21/2	0	04	81
		22/1	0	01	77
		20			
		24	0	06	51

[संख्या आर-31015/26/93 ओ आर 1]

कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव

New Delhi, the 5th October, 1993

S.O. 2234.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 141, dated 23rd January, 1993 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum ;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 1st February, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government ;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired ;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Samana District : Patiala State : Punjab.					
Name of village	Hadbast No.	Mustateel/ Killa No.	Area		
			Hec-tare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5	6
Seona	187	11			
		2	0	07	08
		78			
		3	0	13	92
		69			
		25	0	07	84
		17/3	0	03	04
Badshapur	188	70			
		10	0	00	76
		17	0	01	01
Ugoke	186	31			
		11	0	14	16
		51			
		19/1/1	0	05	31
Kulbanu	185	14			
		8	0	14	16
		13	0	03	04
		14	0	14	42
		15	0	02	02
		16	0	12	65
		9	0	01	01
		22			
		11/2	0	05	31
		23			
		8	0	02	78

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Ghagga	183	59						16	0	04	55
		13	0	00	76			17	0	05	31
Dedna	184	27						23	0	00	76
		11	0	00	51			24	0	06	83
		20	0	13	15			25	0	09	11
		21/1	0	03	29			23			
		21/2	0	04	04			18/1	0	06	83
		48						18/2	0	05	82
		19	0	00	51			19	0	12	39
		55						20/1	0	12	39
		23	0	00	00			24/1	0	09	11
		72						24/2	0	01	77
		17	0	00	00	Munshiwal	135	38			
Kheri Naghia	128	44						4	0	08	60
		22	0	04	30			9	0	01	77
		23	0	13	91			10			
		24	0	05	06			24	0	13	91
		52				Safirpur Khurd	133	29			
		1	0	00	76			25/1	0	00	25
		10	0	12	14			44			
		11	0	10	12			18	0	01	77
		12	0	03	04	Samutan	134	16			
		19/1	0	04	05			7	0	00	25
		19/2	0	08	85			120			
		20	0	00	00	Kamalpur	126	14/2	0	05	82
		22	0	07	08			15/1	0	04	80
		23/1	0	05	56			114			
		53						13/2	0	06	07
		4	0	09	11			132			
		5	0	12	65			23	0	01	01
		6	0	02	02			140			
		58						3	0	13	66
		3/1	0	01	26			4	0	09	61
		3/2	0	08	60			7	0	11	89
		8	0	05	06			14	0	00	25
Tehsil : Sunam District : Sangrur State : Punjab								78			
Sehal	131	51				Khanal Kalan	122	4/1	0	14	67
		15	0	11	38			6	0	09	11
		47						153			
		4	0	00	76			1/1	0	09	10
		6	0	02	28			1/2	0	05	32
		7	0	14	16			51			
		15/1	0	09	86			23/2	0	03	29
		48						24/2	0	02	53
		11	0	02	53			150			
		37						1	0	09	86
		9/1	0	03	54			77			
		12/1	0	11	63			12	0	14	16
		12/2	0	01	77						

1	2	3	4	5	5	1	2	3	4	5	6
Sahoke	82	3/2	0	06	58	Longowal	4	16	0	01	26
		4	0	01	77			17	0	03	29
		6						18	0	05	06
		8	0	03	79			19	0	06	07
		9/1	0	12	40			51			
		10	0	09	35			18/1	0	11	13
		11/1	0	03	04			99	0	05	57
		7						249			
		15/1	0	02	53			17	0	01	01
		8						24	0	11	13
		14	0	03	54			25	0	10	88
		15	0	06	07			250			
		16	0	01	01			19	0	12	39
		17	0	02	02			20	0	09	61
		20	0	11	13			252			
		9						14/2	0	01	01
		16	0	00	75			15/1	0	00	00
		10						255			
		11/2	0	11	63			2	0	02	79
		12/1/2	0	00	25			266			
		12/2/2	0	04	05			13/1	0	03	29
		18	0	13	91			267			
		11						14	0	01	77
		11/1	0	03	54			16/2	0	09	11
		11/3	0	03	54			17/1	0	04	30
		12/2	0	12	39			25/1	0	00	51
		13	0	12	39	Rafatke	76	17			
		14/1	0	04	56			6/1	0	05	81
		14/2	0	07	84			6/3	0	04	55
		15/1	0	01	52			7	0	12	39
		15/2	0	10	88			8	0	08	60
		12									
		12	0	12	39	Killa Bharian	5	51			
		13	0	12	40			16	0	00	25
		14	0	12	40			17	0	04	55
		15	0	12	39			18	0	04	81
Mauder Khurd	81	44				Loha Khera	1	23/1	0	07	33
		20	0	01	27			24	0	07	84
		45						25	0	12	14
		16/1	0	11	13			53			
		17	0	12	14			18	0	12	90
		21	0	11	63			19/1	0	01	77
		46						19/2	0	10	88
		24	0	12	39			20/1	0	05	82
		25	0	12	39			20/2	0	02	78
		50						59			
		12	0	06	07			5/2	0	04	05
		13	0	07	34			60			
		14/1	0	02	77			3	0	11	89
		14/2	0	07	59			80			
		15	0	06	07			18	0	12	39

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6		
		90						5/2	0	10	12		
		20	0	01	52			6	0	02	27		
Bear Ashwan	38	18						7	0	02	79		
		1	0	08	60			231					
		2	0	12	56			2	0	11	13		
		3	0	00	25			3	0	11	89		
		7	0	03	29			4	0	12	39		
		8	0	14	41			8	0	00	51		
		9	0	02	78			9	0	01	01		
		14	0	10	88			10	0	01	77		
		15	0	10	88			232					
		16	0	03	29			1	0	12	39		
		19						*	0	12	39		
		19	0	01	77			4/1	0	10	88		
		20	0	14	42			4/2	0	01	51		
		21	0	00	00	Ramanwas	4	23					
		357/1	0	01	01			9/1	0	03	79		
		357/2	0	07	33			10/1	0	12	63		
		357/3	0	05	31	Khokhar	1	705					
		358	0	01	52			1	0	07	85		
		367	0	04	05	Dhadde	3	591					
		368	0	18	45			1/2/1	0	01	26		
		369	0	02	78			901/1	0	15	68		
		370	0	00	51			901/2	0	00	25		
		371	0	17	70			975/3	0	07	84		
		373	0	22	26			982/1/1/2/2	0	06	83		
Kambo Majra Khurd	36	207	0	08	60			992/2	0	14	41		
						Balian Wali	6	145					
Tehsil : Barnala			District : Sangrur			State : Punjab							
Aspal Khan	79	109						3/1	0	02	78		
		21	0	12	40			3/2	0	01	77		
Kot Duna	80	52						161					
		12	0	00	25			4/1	0	09	87		
		18	0	05	06			8/1	0	07	33		
		19	0	12	65			8/2	0	08	10		
		20	0	12	39	Jhundoke	11	221/2	0	01	26		
						Tehsil : Bhatinda			District : Bhatinda			State : Punjab	
Tehsil : Mansa			District : Mansa			State : Punjab							
1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6		
Aklia	6	98				Chak Ram Singh Wala	204	67					
		22/2	0	01	77			8/2	0	02	78		
		72						72					
		3	0	03	79			13/2/1	0	06	58		
		86						73					
		6	0	12	65			11/2	0	01	77		
		9	0	03	04	Chak Fateh Singh Wala	205	136					
								24/1	0	01	77		
Tehsil Phul			District : Bhatinda			State : Punjab							
Chouke	450	229				Tungwali	208	172					
		7	0	06	83			21/2	0	04	30		
		8	0	06	83			178					
		230						12	0	01	26		
								207					
								17/2	0	13	91		

1	2	3	4	5	6
	208				
	19	0	04	55	
	20/3	0	12	39	
Gulab Garh	58	19			
Alias Naiwala					
	15/2	0	05	32	
	16	0	07	59	
	17	0	12	90	
	18/1	0	00	25	
	18/2	0	11	64	
	19/1	0	01	77	
	21/2	0	04	81	
	22/1	0	01	77	
	20				
	24	0	00	51	

[No. R-31015/26/93-C.R.-I]

KULDIP SINGH Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1993

कां०आ० 2235:--केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और खनि : पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 1054 तारीख 13 अप्रैल, 1991, द्वारा पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अर्जों को प्राथम्य की घोषणा की थी;

और उक्त राष्ट्रपति अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 30 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसारण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी किल्लगों से रहित, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची					
तहनील : असन्ध	जिला : करनाल	राज्य : हरियाणा			
गांव का नाम	हदबस्त नं०	मुस्तातिल नं०/ जिला नं०/	क्षेत्रफल	हैक्टर	आर वन गोटर
1	2	3	4	5	6
पबाना हसनपुर	72	128			

		21	0	04	30
		129			
		3	0	02	02
अलावला	65	60			

		9	0	12	65
उलमाना	64	11			

		16	0	03	54
		12			

		18	0	13	66
		19/1	0	04	05
		19/2	0	01	01
		20	0	15	43
		21	0	00	25
		22	0	00	00
		24	0	12	65
		26			

		9	0	00	51
		10	0	11	63
		11	0	00	76
		12	0	13	66
		13	0	01	52
		17	0	02	02
		18/1	0	08	60
		18/2	0	06	32
		19	0	00	51
		23	0	00	25
		24	0	13	91
		25	0	03	04

		38			

		4	0	00	00
		5	0	13	40
		39			

		1	0	04	05
		9	0	05	56
		12	0	10	87

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
जलपाना-आरं		13	0	06	58			18/1	0	00	76
		17	0	08	10			18/2	0	00	00
		18	0	09	86			24	0	09	11
		24	0	08	09			25	0	07	84
		25	0	09	11						
		47						92			
		-----						5	0	08	60
		21	0	00	25			93			
		48						-----			
		1	0	10	62			1	0	02	78
		9	0	10	88						
		10	0	04	55	कारसा चोर	63	29			
		12	0	04	05			-----			
		13	0	13	15			1	0	05	82
		14	0	00	00			45			
		16	0	00	25			-----			
		17	0	13	91			11	0	01	52
		18	0	03	54	रगसामा	41	64			
		24	0	03	29			14/1	0	08	10
		25/1	0	08	61			91			
		25/2/2	0	04	55			-----			
								12	0	04	55
		49									
		5	0	05	31	पाडा	48	151			
		66						-----			
		-----						9	0	01	26
		5	0	01	52			31/1	0	01	01
		67						166			
		-----						-----			
		1/1	0	04	30			3/2	0	00	76
		1/2	0	10	37						
		2	0	01	01	कुइलान	73	3			
		8	0	02	28			-----			
		9	0	14	42			21	0	09	61
		10	0	01	01			4			
		12	0	00	25			-----			
		13/1	0	07	34			8	0	09	36
		13/2	0	06	32			9/2	0	03	84
		14/1	0	01	26			15			
		14/2	0	02	78			-----			
		16	0	05	06			14	0	12	39
		17	0	12	65						
		25	0	11	13						
		68									

		21	0	05	82						
		69									

		1	0	08	85						
		2	0	07	34						
		8	0	07	08						
		9	0	08	60						
		13	0	11	63						
		17	0	06	32						

[संख्या भार-31015/28/93-ओ०भार -I]

कुलदीप सिंह, भवर सचिव

New Delhi, the 5th October, 1993

S.O. 2235.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1054, dated the 13th April, 1991, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum ;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 30th April, 1991 ;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government ;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired ;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Assandh District : Karnal State : Haryana

Name of Village	Hadbast No.	Mustateel Killa No.	Area		
			Hec-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5	6
Pabana	72	128			
Hassanpur		21	0	04	30
		129			
		3	0	02	02
Alawla	65	60			
		9	0	12	65
Jalmana	64	11			
		16	0	03	54
		12			
		18	0	13	66
		19/1	0	04	05
		19/2	0	01	01
		20	0	15	43
		21	0	00	25
		22	0	00	00
		24	0	12	65
		26			
		9	0	00	51
		10	0	11	63
		11	0	00	76
		12	0	13	66
		13	0	01	52
		17	0	02	02
		18/1	0	08	60
		18/2	0	06	32
		19	0	00	51
		23	0	00	25
		24	0	13	91
		25	0	03	04
		38			
		4	0	00	00
		5	0	13	40
		39			
		1	0	04	05
		9	0	05	56
		12	0	10	87
		13	0	06	58

1	2	3	4	5	6
	17	0	08	10	
	18	0	09	86	
	24	0	08	09	
	25	0	09	11	
	47				
	21	0	00	25	
	48				
	1	0	10	62	
	9	0	10	88	
	10	0	04	55	
	12	0	04	05	
	13	0	13	15	
	14	0	00	00	
	16	0	00	25	
	17	0	13	91	
	18	0	03	54	
	24	0	03	29	
	25/1	0	08	61	
	25/2/2	0	04	55	
	49				
	5	0	05	31	
	66				
	5	0	01	52	
	67				
	1/1	0	04	30	
	1/2	0	10	37	
	2	0	01	01	
	8	0	02	28	
	9	0	14	42	
	10	0	01	01	
	12	0	00	25	
	13/1	0	07	34	
	13/2	0	06	32	
	14/1	0	01	26	
	14/2	0	02	78	
	16	0	05	06	
	17	0	12	65	
	25	0	11	13	
	68				
	21	0	05	82	
	69				
	1	0	08	85	
	2	0	07	34	
	8	0	07	08	
	9	0	08	60	
	13	0	11	63	
	17	0	06	32	
	18/1	0	00	76	
	18/2	0	00	00	
	24	0	09	11	
	25	0	07	84	
	92				
	5	0	08	60	
	93				
	1	0	02	78	
Karsa Chor	63	29			
	1	0	05	82	
	45				
	11	0	01	52	
Rugsana	41	64			
	14/1	0	08	10	
	91				
	12	0	04	55	

1	2	3	4	5	6
Padha	48	151			
		9	0	01	26
		13/1	0	01	01
		166			
		3/2	0	00	76
Kurlan	73	3			
		21	0	09	61
		4			
		8	0	09	36
		9/2	0	03	84
		15			
		14	0	12	39

[No.R-31015/28/93—O.R-I]
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1993

कां० 2236:—केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं० कां० 735 तारीख 24 फरवरी, 1992 जो भारत के राजपत्र तारीख 7 मार्च, 1992 में प्रकाशित की गई थी को उन घातों के विषय अधिकांश करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या करने का कोष किया गया है नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ 1 में वर्णित प्राधिकारी को हंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के मयुरा-जालन्धर उत्पाद पाइपलाइन परियोजना के लिए उक्त सारणी के स्तम्भ 2 में की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित क्षेत्रों के भीतर सत्तन प्राधिकारी के कृत्यों को निष्पादन करने के लिए प्राधिकृत करती है।

सारणी

प्राधिकारी का पता	क्षेत्राधिकार
1	2
श्री एस०डी० पाण्डेय, वरिष्ठ प्रबालन व अनुसंधान इंजीनियर, हंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मयुरा-जालन्धर प.प. लाइन, कापसहेड़ा-नजफगढ़ रोड, बिजवासन, नई दिल्ली-110061	उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र

[सं० धार०-31015/38/93-ओ०धार1]

कुलदीप सिंह, अधर सचिव

New Delhi, the 5th October, 1993

S.O. 2236.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) and in supersession of the Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 735, dated the 24th February, 1992, published in the Gazette of India, dated the 7th March, 1992, except as respects things done or omitted to do before such supersession, the Central Government hereby authorise the authority mentioned in column 1 of the table below to perform the functions of the Competent

Authority for Mathura-Jalandhar Product Pipeline Project of the Indian Oil Corporation under the said Act, within the areas mentioned in the corresponding entry in column 2 of the said table:—

Table

Address of the Authority	Area of jurisdiction
1	2
Shri S.D. Pandey Senior Operations and Maintenance Engineer, Indian Oil Corporation Limited, Mathura-Jalandhar Pipeline, Kapashera, Nejaagarh Road, Bijwasan, New Delhi-110 061.	State of Uttar Pradesh, Haryana, Punjab and Union Territory of Delhi.

[No. R-31015/38/93-O.R-I]
KULDIP SINGH, Under Secy.

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

(नागर विमानन विभाग)

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1993

कां० 2237:—अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम 1971 (1971 का 43) की धारा 3 की उपधारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने, भारत अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के बोर्ड में निम्नलिखित अधिकारियों में से प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिये या उनके द्वारा अपने वर्तमान पद का कार्यभार छोड़े जाने तक जो भी पहले हो वंशकालिक सपस्य के रूप में उनकी नियुक्ति को अनुमोदित कर दिया है।—

- | | |
|--|---------|
| (1) श्री एस० कृष्णासूति
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सहायकार
नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय
(नागर विमानन विभाग)
नई दिल्ली। | 10-3-92 |
| (2) श्री वाई०सी० वेवेवकर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एअर इंडिया। | 6-10-93 |

[संख्या ए०बी०-24022/1/91-बी०ई०]

एच०एस० संघ, अधर सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM

(Department of Civil Aviation)

New Delhi, the 6th October, 1993

S. O. 2237.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section 3 of the Section 3 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the Central Government has approved the appointment of the following officers as part-time Members on the Board of International Airports Authority of India with effect from the dates indicated against each

for a period of 3 years or till relinquishing their present office whichever is earlier.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 13th May, 1993

(i) Shri S. Krishna Moorthy 10-03-92
Joint Secretary & Financial
Adviser,
Ministry of Civil Aviation & Tourism
(Deptt. of Civil Aviation)
New Delhi.

(ii) Shri Y.C. Deveshwar 06-10-93
Chairman & Managing Director,
Air India.

[No. AV-24022/1/71-VE]
H.S. SANDHU, Under Secy.

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1993

कां.शां. 2238:—राजभाषा (मंत्र के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (2) और (4) के अनुसरण में रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड निम्नलिखित कार्यलयों/संस्थानों को जहाँ कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिमूर्खित करता है:—

1. धनसंयोजन अभिकल्प एवं सानक संगठन, लखनऊ
2. केंद्रीय कारवाजा आयुक्तिकोकरण संयोजन, नई दिल्ली
3. भारतीय कंटेनर नियम लि० नई दिल्ली

[सं० हिन्दी-93/रांभा० 1/12/93]

भक्त हुज्जामा, सचिव, रेलवे बोर्ड
भारत सरकार के पदेन अवसर सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS
(Railway Board)

New Delhi, the 4th October, 1993

S.O. 2238:—In pursuance of sub-Rule (2) and (4) of Rules 10 of the Official Language (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Ministry of Railways (Railway Board) hereby notify the following Railway Offices/Organisations, where the staff have acquired the working knowledge of Hindi:—

1. RDSO, Lucknow
2. Central Organisation for Modernisation of Workshops, New Delhi.
3. Container Corporation of India Ltd., New Delhi.

[No. Hindi-93/OL-I/12/63]

MASIHUZZAMAN, Secy.
Railway Board and Ex. Officio Addl. Secy.
to the Govt. of India

धर्म मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 मई, 1993

कां.शां. 2239:—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम-10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, धर्म मंत्रालय के अधीन धर्म व्यूरो, जिम्मा के क्षेत्रीय कार्यालय, धर्म व्यूरो, कानपुर व धर्मदादाय जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिमूर्खित करता है।

[सं० ई०-11011/1/93-रांभा० नं०]

इन्द्र सिंह, अवसर सचिव

S.O. 2239:—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Regional Offices of Labour Bureau, Shimla situated at Kanpur and Ahmedabad under the Ministry of Labour where more than 80% of staff have acquired working knowledge of Hindi.

[No. E-11011/1/93-R.B. N.]

INDER SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1993

का. शा. 2240:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार अशोक स्टोन वर्क्स तिलविटा के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम धनबाद नं. 2 के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 28-9-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल - 29011/1/87 - डी - 3 (बी)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th September, 1993

S.O. 2240:—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad-II as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ashoka Stone Works Tilvitta and their workmen, which was received by the Central Government on 28-9-93.

[No. L-29011/1/87-D.III (B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), AT DHANBAD

Shri B. Ram,
Presiding Officer.

PRESENT :

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 143 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ashoka Stone Works Tilvitta (Pakur), Distt. Sahibganj (Bihar) and their workmen

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—None.

On behalf of the employers.—Shri Arun Kr. Ghosh authorised representative.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Stone.

Dated, Dhanbad, the 21st September, 1993

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-29011/1/87-D.III(B) dt. 13th April, 1987.

SCHEDULE

New Delhi, the 29th September, 1993

"Whether the action of the owner of Kulapahari Tilvitta Stone Mine, Pakur in terminating the services of the 22 workmen (list enclosed) with effect from 14-3-85 is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

2. The reference is pending since 1987. From the record I find that Shri J. D. Lal has been putting his appearance on behalf of the management. The W.S. was also filed on behalf of the management but the workmen did not appear. Lastly the matter ended into compromise and a compromise petition was signed by the General Secretary, Quarry Workers Union, Pakur and also by the management for Ashoke Stone Works, Pakur. As per terms of compromise the workmen received their legitimate amount from the respective employer and hence they have no grievance against their employer. The compromise memo further stated that the union do not want to proceed with the present reference because both the parties have settled their dispute. In view of this compromise petition there can be no reason to proceed with the matter. The compromise seems to have been entered into a cordial atmosphere and hence it seems to be beneficial for both the parties. In the circumstances 'No dispute' Award is passed.

B. RAM, Presiding Officer

ANNEXURE

List of workers

1. Shri Marap Sheikh	Miner/Chelly breaker
2. Shri Usmaddin Seikh	-do-
3. Shri Anatul Seikh	-do-
4. Shri Haras Seikh	-do-
5. Shri Anoddin Seikh	-do-
6. Shri Basir Seikh	-do-
7. Shri Ambar Seikh	-do-
8. Shri Hasen Seikh	-do-
9. Shri Husen Seikh	-do-
10. Shri Diga S ikh	-do-
11. Shri Iaimul Seikh	-do-
12. Shri Madhya Mushahar	-do-
13. Shri Giyasuddin Seikh	-do-
14. Shri Bughuya Mushahar	-do-
15. Shri Faijul Seikh	-do-
16. Shri Faru Seikh	-do-
17. Shri Nasir Seikh	-do-
18. Shri Khurseed Seikh	-do-
19. Shri Tinghari Seikh	-do-
20. Shri Nasrul Seikh	-do-
21. Shri Gajal Seikh	-do-
22. Shri Motiya Mushahar	-do-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1993

का. शा. 2241 औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के प्रबन्धन के संबंध निरोधकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक श्रविकरण कलकत्ता के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-9-93 को प्राप्त हुआ था।

[एन - 32012/4/85 - डी - 4 (ए)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

S.O 2241.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on 28-9-93.

[No. L-32012/4/85-D.IV(F)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 42 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Calcutta Port Trust

AND

Their Workman

PRESENT :

Justice Marash Nath Roy.—Presiding Officer

APPEARANCES :

On behalf of Management.—Mr. G. Mukherjee, Personnel Officer,

On behalf of Workman.—Mr. S. Chakravorty, Secretary of the Union.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Port.

AWARD

The issue, whether the action of the Management of Calcutta Port Trust, Calcutta (hereinafter referred to as the said Trust), in inflicting punishment on Shri Abdul Sattar (hereinafter referred to as the said employee), a Lascar of S. D. Jalangi, by way of reducing his pay by five stages for a period of two years, without cumulative effect, is justified and if not, to what relief was he entitled, was referred for adjudication to the Tribunal, by Government Order of Reference No. L-32012/4/35-D.IV(A) dated May 20, 1986, under Section 10(d)(1) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the said Act).

2. The Calcutta Port and Shore Mazdoor Union (hereinafter referred to as the said Union), which represented the case of the said employee, by the written statement, filed on August 10, 1989, stated that the said employee was employed as a Lascar in S. D. Jalangi and he was appointed under the Superintendent Dredger and Despatch Sections (hereinafter referred to as the said Department), which is under the Director of Marines and was served with a Memorandum dated April 24/30, 1980, Exhibit M-1, by the said Director. That Exhibit M-1, was a charge sheet indicating that the said employee, while in service in S. D. Jalangi and while functioning as Lascar, on January 5, 1980, fraudulently signed the night weightage form and he was also charged with dereliction of duty, as, while functioning as such, he left the vessel on the day of his night watch on January 5, 1980, without any valid permission of the higher authorities and he was further charged, as while functioning as Lascar, on March 23, 1980, he refused to relieve the Pani walla, in spite of being ordered to do so by the Chief Officer of the vessel. The said Exhibit M-1 also contained the allegations on the basis whereof, the charges were so framed against him. On receipt of the said Exhibit M-1, the said employee, on May 12, 1980, by Exhibit M-2, prayed for an extension of time for submission of his defence and finally, on June 19, 1980, he filed such defence by Exhibit W-5. He not only denied the charges

categorically, but stated specifically that he left the vessel on the date as indicated, with the valid permission from the Higher Authorities. It should be noted that such defence was filed, within the extended time.

3. It would also appear from Exhibit M-6 dated July 1/3, 1980, one Captain S. N. Mehata, the Deputy Superintendent of the said Department, was appointed as Enquiry Officer and one Sri I. S. Kampani, Junior Chief Officer, was nominated as the Presenting Officer and further, by Exhibit M-7, the enquiry was fixed, to be held on July 28, 1980. This record was said by the said Union, to have reached the said employee on July 22, 1980 as Jellinghum in S. D. Jalangi and he in his turn, by Exhibit W-4 dated July 22, 1980, requested the Director of the said Department, through the Commandar of his vessel that he will be reaching Calcutta only on July 26, 1980 and the next day being a Sunday, it would be difficult for him to contact the representatives of the said Union, for preparation of his defence and as such, the date of enquiry be shifted to some other date. Thereafter, on July 28, 1980, he informed the Deputy Superintendent concerned that he reached Calcutta on July 26, 1980, but could not get any representative from the said Union, to accompany him as a Defence Counsel, in whose absence it was difficult for him to attend the enquiry. But this representation, according to the said Union, was not accepted by the Deputy Superintendent of the said Department and on July 28, 1980, the Superior Authority, held the Enquiry.

4. It has been stated that on July 29, 1980, the said employee, by Exhibit W-3, made a representation to the Director of the said Department, stating all the facts as aforesaid and also made a request to hold the enquiry afresh, by affording him due and proper opportunities and the said Union, also on September 17, 1980, approached the Director concerned, with the same prayer. The said Union has stated that on July 23, 1980, by the record of July 17, 1980, Exhibit M-7, the said employee was informed that the Enquiry will be held on July 28, 1980 and the other correspondences on the point as indicated earlier, were not replied to and by an Order dated May 22/28, 1981, Exhibit M-10, which was received by the said employee on June 6, 1981, the Director concerned, forwarded a copy of the findings of the Enquiry whereby the said employee was found guilty of the charges and proposed the punishment of his removal from service, and also asked him by that to show cause against the proposed punishment. It has been stated that in fact, the said employee, by his representation dated June 25/29, 1981, claimed to the Labour Adviser and Industrial Relations Officer, for his intervention, but, the said letter and the subsequent reminders, produced no result, excepting that the said Authority, informed the said employee that the representation has been referred to the said Department, for his comments, and on receipt of them he will examine the matter.

5. It would appear, thereafter, by Exhibit M-11, the said employee was informed by the Director of the said Department that on consideration of his reply, the same has been rejected and it has been ordered that his pay be reduced by five stages, for a period of two years without cumulative effect and on such, on October, 11, 1983, the said employee preferred Appeal, being Exhibit M-12 and then, by Exhibit M-13, dated December 16, 1983, the said employee was informed about the rejection of his Appeal.

6. It was the case of the said Union, that as stated earlier, they also, on May 17, 1984, made a representation, praying for doing justice to the case of the said employee, by extending the principles of natural justice and to that, the Labour Adviser and Industrial Relations Officer of the said Trust informed that the case of the said employee was re-examined, but, the prayer could not be acceded. On such, the said Union, raise the Industrial dispute, which has been referred for adjudication.

7. The proceeding was contested by the said Trust, by filing their written statement on December 14, 1989. In facts excepting some variation of dates, there was not much of a difference in respect of the facts relating to the employment of the said employee and that too upto the punishment, as imposed on him. It was the case of the said Trust that

the said employee was not found on board on S. D. Jalangi from 02.00 hrs. to 06.00 hrs. on January 5, 1980, when he was on duty and it revealed on enquiry that at about 18.00 hrs. on January 4, 1980, he left the vessel without the permission of his superiors and returned at 07.00 hrs on the next day and although he absented from duty, yet, he fraudulently put his signature on the Night Watch Book, to show the performance of his duty from 02.00 hrs. to 06.00 hrs. on January 5, 1980, for which he could claim night allowance and he also refused to carry out the lawful orders of his superiors on March 28, 1980. It has been stated that on receipt of the Report to the above effect, from the Chief Officer of S. D. Jalangi, disciplinary proceedings was initiated against the said employee and he was duly served with the charge sheet along with the statement of allegations, which were the basis of the Charge Sheet. It has been indicated that the prayers of the said employee, for extension of time to file his reply was granted and thereafter, he wanted to inspect some documents, for preparation of his defence and such prayer was allowed and then on June 19, 1980, the said employee filed his reply. It has further been stated that an Enquiry Officer was appointed and on evidence, he found that the said employee left the concerned vessel and then returned back on the date and time as mentioned earlier and from the letter dated June 19, 1980 of the said Employee, Exhibit M-5, the fact of leaving the said vessel will be apparent. It has been stated, it was duly found that he also signed the Night Watch Book. As such, the Enquiry Officer, found the said employee guilty of the charges as levelled against him. It has been stated that the Chairman of the said Trust, having agreed with the findings as made, directed the imposition of punishment of reduction as indicated earlier, against which the said employee made his representation, which having been considered to be not satisfactory, the order imposing the punishment as indicated, was passed. While dealing with the allegations as contained in the several paragraphs of the Written Statement of the said Union, the said Trust has based their defence, on the basis of the statements, as indicated earlier. There was a rejoinder filed by the said Union, on February 1, 1990. I am not making specific reference to the facts as pleaded there, as that would only mean repetition of facts as already indicated.

7A. On facts pleadings and evidence, it was the categorical case of the said Union that in the enquiry in respect of the charges, the basic principles of conducting departmental enquiry were not followed and they were in fact violated, as, no due and appropriate opportunities were offered to the said employee. The Enquiry, in the instant case, was stated to have been delayed by two months from the completion of pleadings and that according to the said Union, also vitiated the proceedings. The fact that the said employee was not offered a short adjournment of the hearing, for the reasons as indicated earlier, was also claimed to have vitiated the proceeding and the reason for not granting such adjournment, as the witness concerned was retiring, was claimed to be far from being real, as he retired on or about August 1, 1980. It was further indicated that the entire proceeding was vitiated as, in accordance to Rule 11(2) of the Calcutta Port Commissioner's Employees (Discipline and Appeal) Rules, 1964 read with the proceedings as held and continued, the Disciplinary Authority was to frame the charges, but in this case, the Memorandum of charge sheet was issued by an Authority, other than the concerned Authority and it was also not indicated, if such Enquiry will be held by the Disciplinary Authority. It has further been alleged that in this case, the so called Enquiry Officer, did not enquire duly, the statements of defence of the said employee. It has further been pointed out that the Enquiry Officer, did not duly consider the case of mutual arrangement between the said employee with the Tindal, which again he had to arrange, for reasons beyond his control and that, he could not take the prior permission of his superior, as no such Officer was on Board. In fact, it has been contended that for such absence of the said employee, which admittedly happened, the services of the said S. D. Jalangi had not suffered, as the said Sri P. K. Biswas, performed the duties of the said employee and he in his turn, performed the duties of the said Sri Biswas. It has also been alleged that the admitted non-examination of the said Sri Biswas, by the Enquiry Officer, had also vitiated the proceedings and the findings therein. It has been pointed out that the Enquiry Officer, failed to appreciate that the

said employee performed night duty (Ship keeping), on the previous day, when he was to relieve the Pariwalla. The delay in issuing the charge sheet on March 23, 1980, when the alleged incident, if at all, had happened on January 5, 1980, was severely criticised and contested and it was claimed that the charge sheet Exhibit M-1, was issued by an Officer, other than the Disciplinary Authority and further, the show cause notice for imposition of penalty was also not by the Appropriate Authority. It was also contended that the order of punishment and the Appeal as preferred from that, was dealt with by the same Authority and as such, there was illegality and irregularity.

8. MW-1 Sri Ashoke Kumar Banerjee, agreed that as he was not present at the Enquiry, so, it will not be possible for him, to say anything regarding the Enquiry. But, he produced and proved the charge sheet, Exhibit M-1 and the other Exhibits and the signature of the signatories of them. The present Commander of D. V. Seva, deposed as MW-2. He deposed regarding the duties of Night Watchmen, their hours of duty and the manner of duty they are required to perform and how they are paid night watch allowance. According to him, there is really no designation of Pariwalla, but in Hindi, the said term would mean, those who watch. He agreed that apart from the vessels as mentioned in his deposition, and apart from the Dredger and Despatch vessels, he has not worked in other type of vessels in Calcutta Port. According to him, without the valid permission of the Chief Officer, no Watchman can leave his duty. He has said, how night watch allowance, which is a special allowance, is calculated and paid. He further agreed that when a vessel is kept under a Night Officer, while the same is in the shore, such Officer, is neither a Commander nor the Chief Officer and he himself has not seen any Office Order regarding the permission, about which, he has deposed.

9. The said employee has deposed as WW-1. After narrating the facts as indicated earlier, he said that he could neither examine nor cross-examine any witness, as his prayer for accommodation, on the ground as stated earlier, was refused. The Night Watch duty was not looked after by any one. He agreed that his signature will appear in the concerned Register and it will appear that after informing the Superior Authority, he left the vessel at 5.30 P.M. By such superior, he meant the Tindal R. C. Bithopa, who has not been examined in this case. It was his further case that since no other Officer was available in the vessel, he informed the said Sri Bithopa and his representation to him, was made orally, and as such, he admitted, not to be producing any proof. The Enquiry, according to him, was held on July 28, 1980 i.e. two months after his knowledge on May 20, 1980 and he received the notice of Enquiry, fixing July 28, 1980, on July 20, 1980 and for that shortness of time, for reasons as indicated earlier, he asked for some accommodation, which was refused and for that, he could not make effective representative. He also agreed, not to have named the witnesses to be examined on his behalf and he said that if the Enquiry was held duly, he could have produced Sri P. K. Biswas, with whom, he has said to have made some arrangement, regarding the interchange of duties. He also stated to have refused to perform the duties of Pariwalla, when asked as there were seniors to him. He has also stated and that too without any proof that on his asking, the said Sri Bithopa asked Sri Biswas orally, to perform his duties.

10. On the available facts and evidence, the said Union contended that there was defects in the Enquiry and the finding arrived at, were purely on baseless materials and on non-application of mind. It was further claimed that the Enquiry was vitiated, as the said employee, for reasons as indicated, did not receive due and proper opportunities in his defence or for preparation thereof. In fact, it was pointed out that he filed his defence statement on June 17, 1980, but the enquiry was started on July 28, 1980 and that too, on the basis of a notice dated July 21, 1980, as served on him, when he was not stationed at Calcutta and for such difficulties and shortness of time to make arrangement for his representation, he, on July 22, 1980, made an application for time, which was refused, not on due grounds but, on such grounds, which were not bonafide viz

difficulty for the prosecution witness to attend at a later date. It was also pointed out that even thereafter, the said employee applied for further accommodation on July 27, 1980, which was also not acceded to. It was submitted that for the circumstances as indicated, for ends of justice, some time should have been granted to the said employee and for such refusal, the entire proceedings became void, illegal and irregular, as admittedly, by such refusal, the said employee was refused due and natural justice. No further arguments were advanced by the said Union.

11. The said Trust, submitted that it was not possible for them to accommodate the said employee, by granting adjournment, as asked, as the Tindal was due to retire. They claimed that the charges as framed were appropriately established, on the basis of evidence as produced and from Exhibit M-1, it will appear clear that the said employee admittedly left the vessel, ofcourse according to him, on the basis of some arrangement with Sri P.K. Biswas, but such arrangement has not been established by any legal evidence or even by producing the said Sri Biswas. It was the case of the said Trust that the Tindal on the relevant date, was the Head of the vessel and the said employee left the same on the basis of the statements as made, without any intimation to the Head of the vessel. The said Trust has further pointed out that there is no difficulty in arriving at the conclusion that Pariwalla in a vessel, is nothing but a night watchman although the said employee was obliged to serve as such, yet he refused to act as Pariwalla, without any reason or basis. It has further claimed by the said Trust that the allegations of the said employee that punishment was motivated, has neither any basis nor the same was proved by any legal evidence. They could not ofcourse deny, that the notice of enquiry was served at a later date, but claimed, Exhibit, M-7, was dated July 17, 1980 and the same was served on the said employee on July 20, 1980 and according to them, shortness of time, for preparation of defence as claimed by the said employee was not thus true, but only a ruse to make out a case of violation of principles of natural justice. It was further pointed out by them that it is an admitted fact that no written permission was obtained by the said employee for leaving the vessel which according to them, was really a misconduct by him, which he was on night watch duty. It was claimed that the internal arrangement as pleaded by the said employee with Sri Biswas was neither possible nor permissible.

12. On the basis of the evidence on record or as produced and available in this case, it would appear that the duty of Pariwalla was equivalent to that of Night Watchman and the said employee, who was scheduled on Night Watch duty, acted very wrongly, by leaving the vessel, without any proved and established permission of the superior and the arrangement with Sri P.K. Biswas, which was pleaded, cannot or should not be allowed, as in that case, there is every possibility that every night Watchman on duty in a vessel, might leave the vessel, in such unauthorised manner, whereby the security of the same, would be in jeopardy and for such lapses on the part of the said employee he could have been dismissed from service, but by inflicting the punishment as in this case and as indicated earlier, the said Trust has really and admittedly condoned his conduct, to a great extent. I thus find that principles of natural justice was not actually violated in this case and the said employee was actually guilty of the charges, as levelled and for which, he was punished.

13. Since I am of the view and find that the said Trust has, under Section 11A of the said Act. Excepting the extent, I think, instead of imposing punishment as inflicted, the same may be reduced to stoppage of two increments, instead of five and this power, I am of view, this Tribunal has under Section 11A of the said Act. Excepting the reduction of the number of increment, the other punishment, is not interfered with.

14. As such, the Reference is disposed of with the observation as above and in favour of the said employee.

15. This is my Award.
Dated, Calcutta, The 5th August, 1993

MANASH NATH ROY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1993

का. आ. 2242 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार से. सी सी एल की लपंगा कोलियरी के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 2, धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 28-9-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल - 21012/155/86-डी-4 (बी)/आई आर (कोल-1)]

जी. के. वेंगुगोपालन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th September, 1993

S.O. 2242.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Lapanga Colliery of M/s. C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 28-9-93.

[No. I-24012/155/86-DIV(B)(C-1)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)-(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 152 of 1987

PARTIES:

Employers in relation to the management of Lapanga Colliery of M/s. C.C. Ltd., P.O. Lapanga, Dist. Hazaribagh and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy,

Advocate.

On behalf of the workmen—None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 21st September, 1993

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(155)/86-DIV(B) dt 26th May, 1987.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Lapanga Colliery of M/s. C.C. Ltd., P.O. Lapanga, Distt. Hazaribagh in denying regularisation to Shri Sahadeo Bedia and 32 others as per list annexed and not making payment of wages as per NCWA-III is legal and justified? If not, to what relief workmen concerned are entitled?"

2. This reference is pending since the year 1987. From the record I find that none appeared for the workmen although 2290 GI/93—7.

Shri R. S. Murthy has been making appearance on behalf of the management. It also transpires that several times notices were sent to the concerned workman or the union for appearance and filing W.S. but it was of no use. Lastly Shri R. S. Murthy filed a petition on 19-7-93 stating therein that since 6 years have elapsed since the reference was made by the Central Govt. but the workmen are not taking any step and they have not shown any interest in the matter and accordingly he prayed to pass a 'No dispute' Award. In circumstances of the case I find no reason as to why prayer of the learned advocate for the management should not be allowed. A 'no dispute' Award is thus passed.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

का. आ. 2243 केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (vi) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिमूचना संख्या का. आ. 990 दिनांक 28 अप्रैल, 1993 द्वारा यूरेनियम उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 30 अप्रैल, 1993 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः अतः, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 30 अक्टूबर, 1993 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. सं. एम - 11017/10/85-डी - 1(ए)]

एस. एस. प्रशर, अवर सचिव

New Delhi, the 30th September, 1993

S.O. 2243.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India, in the Ministry of Labour S.O. No. 990 dated the 28th April, 1993, the Uranium Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 30th April, 1993;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 30th October, 1993.

[No. S-11017/10/85-D.I(A)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1993

का. आ. 2244 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मांगी बैंक लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 1 सुम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल - 12012/5/89 - आई आर (बी-3)]

एस. एस. के. राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1993

S.O. 2244.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sangli Bank Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 30-9-93.

[No. L-12012/5/89-IR(BIII)]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I BOMBAY

PRESENT:

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-12 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sangli Bank Ltd., Sangli.

AND

Their workmen

APPEARANCES:

For the Management—Shri Gaonkar, Advocate.

For the Workman—Shri Sathye, Advocate.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra.

Bombay, dated the 21st day of September, 1993

AWARD

The following reference has been made to this Tribunal by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi.

"Whether the action of the management of Sangli Bank Ltd. in relation to its main branch, Sangli in depriving Shri N. R. Kazi, sub-staff of the post of Daftari and its allowances w.e.f. 1-6-1986 is justified? If not to what relief the workman is entitled?"

2. The workman and the Management have filed the statement of claim and the written statement respectively setting out the dispute and reply thereto.

3. The parties have since arrived at a settlement and the same has been filed today, before me and the parties want an award to be passed in terms of the settlement. The workman has signed the same and on the other side the Deputy General Manager, Sangli Bank, Bobay. The General Secretary of the Sangli Bank Employees Union has also affixed his signature to the said settlement. The Advocate appearing on behalf of either side have also signed the same. In view of this, award accordingly, and in terms of the settlement.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1993

का. आ. 2245 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दिल्ली मिल्क स्कीम के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचवट को प्रेषित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं एन-42012/173/91 - आईआर (डीयू) (पीटी)]

के. वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi the 5th October, 1993

S.O. 2245.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Delhi Milk Scheme, Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on 30-9-93.

[No. L-42012/173/91-IR(DU)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 4/93

In the matter of dispute between :

Shri Jai Ram,
through General Secretary,
Delhi Labour Union,
Aggarwal Bhawan,
G. T. Road, Tis Hazari
Delhi-54.

Versus

Deputy General Manager,
Delhi Milk Scheme,
Patel Nagar,
New Delhi-110008.

APPEARANCES : None for the workman.

Shri Kalyan Singh UDC for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/173/91 dated 7-1-93 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the Dy. General Manager, DMS, Delhi is justified in imposing the penalty of Rs. 700/- for causing damage to the van by Shri Jai Ram, Heavy Vehicle driver vide order dated 21-1-91 and also retiring him prematurely w.e.f. 28-4-91? If not what relief the workman concerned is entitled to?"

2. The workman was directed to file the statement of claim, documents relied upon and the list of witnesses within 15 days from the date of the order making this reference. The statement of claim was not filed inspite of notices sent by the court four times. It appears that the workman was not interested in getting the dispute adjudicated upon and a no dispute award is passed in this case leaving the parties to far their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

Central Govt. Industrial Tribunal New Delhi

3rd September, 93.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this award may be forwarded to the Central Govt. for necessary action at their end.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

Central Govt. Industrial Tribunal New Delhi

3rd September, 93.

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1993

का. आ. 2246 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मपरिनटैडिंग इन्जीनियर, कौन्सिलिंग सर्कल (इलैक्ट), सी पी डब्लू डी, नई दिल्ली के

प्रत्यक्ष के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन- 42012/136/89 - आई आर (सी यू) (पी टी)]
के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi the 5th October, 1993

S.O. 2246.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Supdt. Eng., Coord. Circle (Elect.) CPWD, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on 30-9-93.

[No. L-42012/136/89-IR(DU)(Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING
OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 96/90

In the matter of dispute between

Shri Sher Singh,
through General Secretary,
CPWD Mazdoor Union,
E-26, Raja Bazar (Old House)
Baba Kharaksingh Marg,
New Delhi-110001.

Versus

Superintending Engineer,
Coordination Circle (Elect.),
CPWD, New Delhi-110001.

APPEARANCES : None for the workman.

None for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/136/89-I. R. (D.U.) dated 22-8-90 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Superintending Engineer, Coord. Circle (Elect.), CPWD, New Delhi in giving promotion to S/Shri Sahi Ram, Charan Singh, Jiva Ram, Chhail Bihari and Karan Singh vide order dated 15-6-88 as wireman and denying promotion to Shri Sher Singh though senior to them, is justified ? If not, what relief the workmen concerned is entitled to ?"

2. The case was fixed for 14-9-93 for cross-examination of the management witness but none on behalf of the workman nor the management appeared in this case. It appears that the parties do not want the dispute to be adjudicated upon. I, therefore, pass a No Dispute award in this case leaving the parties to bear their own costs.

14th September, 93.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
Central Govt. Industrial Tribunal, New Delhi

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1993

का. आ. 2247 औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वैस्तेन रेवदे, कोटा

के प्रत्यक्ष के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन- 41011/9/92 - आई आर (सी यू) (पी टी)]
के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi the 5th October, 1993

S.O. 2247.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, Kota and their workmen, which was received by the Central Government on 30-9-93.

[No. 41011/9/92-IR(DU)(Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING
OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 38/93

In the matter of dispute between :

Ram Kishan
through Divisional Secretary,
Paschim Railway Karamchari Parishad,
Station Road, Kota Junction-324001.

Versus

The Divisional Railway Manager,
Western Railway, KOTA

APPEARANCES : None for the workman.

Shri Shankar Lal for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-41011/9/92-I.R. (D.U.) dated 27-4-93 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of Rly. Admn. DRM, Western Railway, Kota in imposing the penalty of stoppage of two increments on Shri Ram Kishan, s/o Shri Ram Nath, Watchman under PWI Lakheri, is legal and justified ? If not, what relief the concerned workman is entitled to and from what date ?"

2. The workman was required to file statement of claim, documents relied upon and list of witnesses within 15 days from the date of the receipt of this reference made by the Government as per rules made under the Industrial Disputes Act. No compliance was done and instead thereof a notice was sent by the court to the workman to file the claim. The representative for the workman neither appeared nor filed any documents within the prescribed time. He however filed claim statement on 22-7-93 and the case was adjourned to 16/9/93 on which date non appeared. It appears that there is no dispute existing between the parties and the workman is not interested in pursuing the case. A No Dispute award is, therefore, passed in this case leaving the parties to bear their own costs.

21st September, 93

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
Central Govt. Industrial Tribunal New Delhi

